RNI N.- BIHBIL/2022/88070

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

“खबरों से समझौता नहीं”

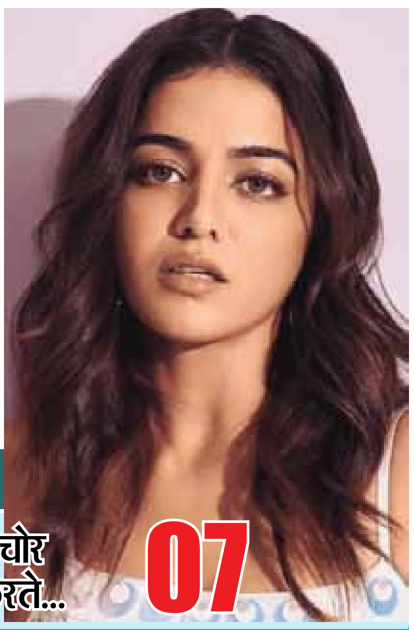

पटना, वर्षः 6, अंकः110, सोमवार, 28 अप्रैल 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

बिहार में 60% से ज्यादा क्राईम के मामले जमीन विवाद से जुड़े है... 03

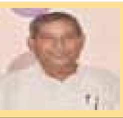
भाजपा नेता अनिरुद्ध सहनी का निधन, शोक 04

भूल चूक माफ का नया गाना चोर बाजारी फिर से जारी रोमांस करते... 07

इसरो ने फिर दिखाया दम, एक और कारनामा

- सेमीक्रायोजेनिक इंजन का अल्पकालिक परीक्षण सफल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार को एक और कारनामा कर दिखाया। सेमीक्रायोजेनिक इंजन को चालू करने से संबंधित अल्पकालिक परीक्षण सफल रहा। तमिलनाडु के महेंद्रगिरि में इसरो प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स स्थित टेस्ट फैसिलिटी में इसे अंजाम दिया गया। यह परीक्षण 24 अप्रैल को किया गया।

इससे पहले 28 मार्च को भी इसका टेस्ट कामयाब रहा था। सेमीक्रायोजेनिक इंजन परीक्षण कार्यक्रम में इसे बड़ी सफलता माना जा रहा है। इसरो ने अपने बयान में कहा कि इस टेस्ट में इंजन पावर हेड टेस्ट आर्टिकल को 3.5 सेकंड की अवधि के लिए हॉट टेस्ट से गुजारा गया। इसमें थ्रस्ट चैंबर को छोड़कर सभी इंजन प्रणालियां शामिल थीं। इस प्रक्रिया ने इंजन स्टार्ट-अप सिक्वेंस को मान्य कर दिया।

राणा सांगा को गद्दार कहने वाले सपा सांसद पर हमला

अलीगढ़ में काफिले पर राजपूत युवकों ने टायर-पत्थर फेंके, 5 गाड़ियां टकराईं

लखनऊ (एजेंसी)। राणा सांगा को लेकर बयान के बाद से करणी सेना के निशाने पर आए समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन पर अलीगढ़ में रविवार को हमला कर दिया गया। करणी सेना के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने रामजी लाल सुमन के काफिले पर गोभाना टोल प्लाजा के पास हमला किया है। उनके काफिले में शामिल गाड़ियों पर टायर और पत्थर फेंके गए। इससे कई गाड़ियों के शीशे क्षतिग्रस्त हो गए हैं। करणी सेना ने पहले ही

रामजी लाल सुमन के काफिले पर हमले की धमकी दी थी। इसके बाद भी कोई सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने से पुलिस प्रशासन पर सवाल खड़े हो रहे हैं। करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष दुर्गेश सिंह ने हमले की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि जब तक राणा सांगा को लेकर दिए गए बयान पर राम जी लाल सुमन माफी नहीं मांगते हैं, इसी तरह से हमले जारी रहेंगे। सपा सांसद रामजी लाल सुमन रविवार को आगरा से बुलंदशहर जा रहे थे। उन्हें अलीगढ़ होते हुए बुलंदशहर जाना था। काफिले में करीब 25 गाड़ियां शामिल थी। काफिला निकलते ही करणी सेना के लोगों ने हमला कर दिया।

अमरीकी जनता मुझे तीसरी बार राष्ट्रपति बनाने को है बेताब

ट्रम्प बोले- टैरिफ से 170 लाख करोड़ की कमाई होगी

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल के 100 दिन 30 अप्रैल को पूरे होंगे। इससे पहले उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा- मैं बहुत ही शानदार काम कर रहा हूं। अमेरिका की जनता मुझे फिर से राष्ट्रपति चुनाव लड़ने की मांग कर रही है। लोग मुझे तीसरी बार भी अमेरिका का राष्ट्रपति बनाने को बेताब हैं। ट्रम्प ने बताया कि राष्ट्रपति के रूप में मेरे 100 दिन अमेरिकी इतिहास में सबसे महान दिन रहे। हमने कई कानून बदले। टैरिफ से होने वाले

नुकसान को रोका। छंटनी की। टैरिफ से एक साल में 170 लाख करोड़ रुपए की कमाई होगी। इससे मध्यवर्ग को राहत होगी। ट्रम्प ने आगे कहा- पहले कार्यकाल में बॉर्डर पर सैकड़ों मील दीवार बनाई। फिर रोक लग गई। हम मेक्सिको बॉर्डर पर दीवार बना कर रहेंगे। बॉर्डर सुरक्षित कर ड्रग्स संकट से निकलेंगे। साथ ही देश से 2 करोड़ अवैध प्रवासियों को खदेड़ कर रहेंगे। अमेरिका को ‘फिर से महान’ बनाने के लिए क्रांतिकारी बदलाव होंगे। इसमें आर्थिक सुधार, ऊर्जा नीति व विदेशी मामलों में अमेरिका फर्स्ट नीति को और विस्तार से लागू करना शामिल हैं।

राजस्थान-यूपी समेत 8 राज्यों में गर्मी का आतंक

- हीटवेव का अलर्ट जारी, 40 डिग्री पार जा सकता है टेम्परेचर

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम विभाग ने अरुणाचल, सिक्किम समेत पूर्वोत्तर के 8 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड समेत 10 राज्यों में ओले गिरने की संभावना जताई है। मौसम के इस बदलाव से इन राज्यों में पड़ रही तेज गर्मी से थोड़ी राहत मिल सकती है। राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़, यूपी, मध्यप्रदेश, गुजरात में अगले 4 दिन तक हीट वेव और गर्मी का असर कम नहीं होने वाला है। ओडिशा के झारसुगुड़ा और बौध, महाराष्ट्र के परभणी, उत्तर प्रदेश के कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, हमीरपुर और गाजीपुर, बिहार के गया, औरंगाबाद और देहरी में पारा 44 डिग्री के पार रिकॉर्ड किया गया। राजस्थान के 16 शहरों में पारा 40 डिग्री से ज्यादा रहा। दिल्ली में रविवार को न्यूनतम तापमान 27.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जो मौसमी के हिसाब से 3.4 डिग्री अधिक है। मौसम विभाग ने अगले दिन बादल छाए रहने का अनुमान लगाया है, जबकि अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ के असर से शनिवार दोपहर बाद कई शहरों में मौसम बदल गया। चूरू, गंगानगर, हनुमानगढ़ में करीब 50 किमी स्पीड से अंधड़ आया। इससे कई जगह टीनशेड उड़ गए, पेड़ गिरे। जालोर में बारिश के साथ ओले गिरे। सवाई माधोपुर में बूंदाबांदी हुई। बूंदी में अंधड़ से मोबाइल टावर गिर गया। तेज गर्मी के बीच मध्यप्रदेश के पूर्वी हिस्से यानी, जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग में अगले 4 दिन बारिश होगी। कुछ जिलों में

ओले भी गिरेंगे। वहीं, ग्वालियर-चंबल संभाग में मिला-जुला असर देखने को मिलेगा। यहां बारिश भी होगी और तेज गर्मी भी पड़ेगी। पंजाब में गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। मौसम विभाग चंडीगढ़ के अनुसार, राज्य में आज औसत अधिकतम तापमान में 0.1 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है, लेकिन यह तापमान सामान्य से 3.4 डिग्री सेल्सियस अधिक है। मौसम विभाग ने हरियाणा में लू का यलो अलर्ट जारी किया है। इसके तहत प्रदेश में तेज गर्म हवाएं चलेंगी। तापमान में भी बढ़ोतरी होगी। ऐसे में लोगों को सतर्क रहने की सलाह भी दी जा रही है। बता दें कि हरियाणा में शनिवार दोपहर को अचानक मौसम खराब हो गया।

दुश्मनों को रास नहीं आई जम्मू-कश्मीर की शांति

- पीएम बोले-पहलगाम में आतंकियों ने दिखा दी कायरता

पहलगाम पीड़ितों को दिया भरोसा, न्याय मिलकर रहेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री मोदी ने ‘मन की बात’ के 121वें एपिसोड में सबसे पहले पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि देश का हर नागरिक पीड़ितों के साथ है और इस हमले का करारा जवाब दिया जाएगा। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने की अपील की। पीएम मोदी ने कहा कि आज जब मैं आपसे ‘मन की बात’ कर रहा हूं, तो मन में गहरी पीड़ा है। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुई आतंकी वारदात ने देश के हर नागरिक को दुख पहुंचाया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पीड़ित परिवारों के प्रति हर भारतीय के मन में गहरी संवेदना है। भले वह किसी भी राज्य का हो, वह कोई भी भाषा बोलता हो, लेकिन वह उन लोगों के दर्द को महसूस कर रहा है, जिन्होंने इस हमले में अपने परिजनों को खोया है। मुझे अहसास है कि हर भारतीय का खून आतंकी हमले की तस्वीरों को देखकर खौल रहा है।

पहलगाम में हुआ यह हमला आतंक के सरपरस्तों की हताशा को दिखाता है, उनकी कायरता को दिखाता है। ऐसे समय में जब कश्मीर में शांति लौट रही थी, स्कूल-कॉलेजों में एक वाइब्रेंसी थी, निर्माण कार्यों में अभूतपूर्व गति आई थी, लोकतंत्र मजबूत हो रहा था, पर्यटकों की संख्या में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हो रही थी, लोगों की कमाई बढ़ रही थी, युवाओं के लिए नए अवसर तैयार हो रहे थे। देश के दुश्मनों को, जम्मू-कश्मीर के दुश्मनों को ये रास नहीं आया।

आतंकवाद के खिलाफ सारा देश एकजुट है

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ‘आतंकी और आतंक के आका चाहते हैं, कश्मीर फिर से तबाह हो जाए और इसलिए इतनी बड़ी साजिश को अंजाम दिया। आतंकवाद के खिलाफ इस युद्ध में देश की एकता, 140 करोड़ भारतीयों की एकजुटता, हमारी सबसे बड़ी ताकत है। यही एकता, आतंकवाद के खिलाफ हमारी निर्णायक लड़ाई का आधार है।’ पीएम ने आगे कहा, ‘हमें देश के सामने आई इस चुनौती का सामना करने के लिए अपने संकल्पों को मजबूत करना है। हमें एक राष्ट्र के रूप में दृढ़ इच्छाशक्ति का प्रदर्शन करना है। आज दुनिया देख रही है, इस आतंकी हमले के बाद पूरा देश एक स्वर में बोल रहा है।’ पीएम मोदी ने कहा, ‘भारत के लोगों में जो आक्रोश है, वो आक्रोश पूरी दुनिया में है। इस आतंकी हमले के बाद लगातार दुनिया भर से संवेदनाएं आ रही हैं। मुझे भी ग्लोबल लीडर्स ने फोन किए हैं, पत्र लिखे हैं, संदेश भेजे हैं। इस जघन्य तरीके से किए गए आतंकी हमले की सब ने कठोर निंदा की है। उन्होंने मृतकों के परिवारजनों के प्रति संवेदनाएं प्रकट की हैं। पूरा विश्व, आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई में, 140 करोड़ भारतीयों के साथ खड़ा है। मैं पीड़ित परिवारों को फिर भरोसा देता हूं कि उन्हें न्याय मिलेगा, न्याय मिलकर रहेगा। इस हमले के दोषियों और साजिश रचने वालों को कठोर जवाब दिया जाएगा।’

हमले के पीड़ितों को 4 महीने का वेतन देंगे इरफान अंसारी

रांची (एजेंसी)। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने पहलगाम आतंकी हमले पर दुख जताया है। उन्होंने मृतकों के परिवारों को मदद करने का फैसला किया है। मंत्री इरफान अंसारी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया।. इसमें उन्होंने अपनी 4 महीने की सैलरी देने की बात कही है। उन्होंने कहा कि पहलगाम में पर्यटकों पर हुआ हमला मानवता पर हमला है। यह भारत की आत्मा पर हमला है. इस घटना से उन्हें बहुत दुख हुआ है। इरफान अंसारी ने कहा- ‘पहलगाम के शहीदों को विनम्र श्रद्धांजलि। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा पर्यटकों पर किया गया हमला न केवल मानवता पर हमला है, बल्कि उन्होंने भारत की आत्मा और भारतवासी पर हमला किया है।

एमपी में कुएं में गिरी कार, 10 लोगों की मौत

बचाने उतरे युवक की दम घुटने से गई जान

भोपाल (एजेंसी)। एमपी के मंदसौर जिले के नारायणगढ़ में एक दुखद घटना हुई। काचरिया चौपाटी पर एक कार कुएं में गिर गई। हादसे में बाइक सवार समेत 10 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में कार सवारों को बचाने के लिए कुएं में उतरा ग्रामीण मनोज सिंह भी शामिल है। 2 शव कुएं से निकाल लिए गए हैं। क्रेन से वैन को भी निकाला गया है। घायलों 3 साल की बच्ची समेत चार लोगों को रेस्क्यू करके मंदसौर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बाइक सवार की पहचान आबाखेड़ी निवासी गोबर सिंह के तौर पर हुई है। बाकी की शिनाख्त कराई जा रही है। हादसा जिले के नारायणगढ़ थाना क्षेत्र में बूढ़ा-टकरावत फंटे में रविवार दोपहर करीब सवा एक बजे हुआ। वैन में 10 से ज्यादा लोग सवार थे, जो उज्जैन जिले के उन्हेल से नीमच जिले के मनासा क्षेत्र के आंतरी माता मंदिर दर्शन के लिए जा रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची।

भारत ने झेलम में छोड़ा पानी तो घर छोड़कर भागे लोग

पीओके में दहशत का माहौल, इमरजेंसी वाले बन गए हालात

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने शनिवार को झेलम नदी के जलस्तर में अचानक बढ़ोतरी कर दी और इससे पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में खलबली मच गई। पीओके का कहना है कि भारत ने बिना किसी पूर्व चेतावनी के ही उरी बांध से पानी छोड़ दिया। बताना होगा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल समझौते को स्थगित करने के साथ ही कई बड़े कदम उठाए हैं। भारत ने कहा है कि वह पहलगाम हमले के दोषियों को नहीं बख्शेगा। भारत की ओर से जब पानी छोड़ा गया तो पीओके के हट्टियन बाला जिले में इमरजेंसी वाले हालात बन गए और लोगों को सुरक्षित जगहों पर भागना पड़ा। पीओके ने इसे अंतरराष्ट्रीय मानदंडों और सिंधु जल समझौते का उल्लंघन बताया है। पीओके की राजधानी मुजफ्फराबाद और चकोटी इलाके में लाउडस्पीकर पर नदी का जलस्तर बढ़ने की चेतावनी जारी की गई।

एनआईए को सौंपी पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जांच

पाकिस्तानी कनेक्शन और 26/11 जैसी साजिश के संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआईए को सौंप दी है। इस हमले को पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित बताया गया है, जिसे आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा ने अपने फ्रंट संगठन द रेसिस्टेंस फ्रंट के जरिए अंजाम दिया था। पहलगाम हमले की जांच एनआईए करेगी, गृह मंत्रालय ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। अधिकारियों के अनुसार, एनआईए अब जम्मू-कश्मीर पुलिस से केस अपने हाथ में लेने की प्रक्रिया में है। माना जा रहा है कि एनआईए इस हमले से जुड़े व्यापक आतंकी नेटवर्क और साजिश का पर्दाफाश करने के लिए जल्द ही गहन जांच शुरू करेगी। अधिकारियों के मुताबिक, एनआईए अब जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी को दोबारा दर्ज कर औपचारिक जांच शुरू करेगी, हालांकि एसपी विजय साखरे के नेतृत्व में एनआईए की टीम पहले से 23 अप्रैल से ही स्थानीय पुलिस की मदद कर रही है। एनआईए बीते कुछ दिनों से हमले के जीवित बचे लोगों के बयान दर्ज कर रही है और लश्कर, जैश-ए-मोहम्मद और अन्य आतंकी संगठनों से जुड़े गिरफ्तार आतंकियों और ओवरग्राउंड वर्कर्स से पूछताछ कर रही है। इस बीच सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस का संयुक्त बल उन हमलावरों की तलाश कर रहा है जिन्होंने 26 निर्दोष नागरिकों की हत्या कर दी।

पहलगाम पर बढ़ता जा रहा है भारत को समर्थन

- तुलसी गबार्ड के बाद काश पटेल ने कर दिया बड़ा ऐलान
- भारत के साथ एकजुटता दिखाई

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टीगेशन (एफबीआई) के डायरेक्टर काश पटेल ने कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है। काश पटेल ने आतंक के खिलाफ लड़ाई में भारत को पूरा समर्थन देने का वादा किया है। उन्होंने कहा कि यह हमला आतंकवाद के खतरे की तरफ दुनिया का ध्यान दिलाता है। काश से पहले अमेरिका की डायरेक्टर ऑफ नेशनल इंटेलीजेंस तुलसी गबार्ड भी भारत के लिए एकजुटता दिखा चुकी हैं। काश पटेल और तुलसी गबार्ड दोनों ही भारतीय मूल के अमेरिकी हैं। कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार (22 अप्रैल) को बड़ा आतंकी हमला हुआ है। इस हमले में 26 लोगों की हत्या की गई है, मारे गए लोगों में ज्यादातर पर्यटक थे। इस हमले में पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े द रेजिस्टेंस फ्रंट का नाम इस हमले से जुड़ रहा है। इस हमले पर दुख जताते हुए काश पटेल ने एक्स पर लिखा, एफबीआई कश्मीर में हुए आतंकी हमले के पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है। हम भारत सरकार को पूरा समर्थन देते रहेंगे। काश पटेल ने आगे कहा कि पहलगाम की घटना दिखाती है कि दुनिया को किस तरह से आतंकवाद के खतरे का सामना करना पड़ रहा है। पटेल ने भारतीय सुरक्षा बलों की त्वरित प्रतिक्रिया की सराहना करते हुए कहा कि कानून प्रवर्तन में लगे लोग हमेशा मदद के लिए तैयार रहते हैं। यूएस स्टेट डिपार्टमेंट ने भी पहलगाम हमले की निंदा की है और दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने की मांग की है। तुलसी गबार्ड ने पहलगाम हमले के बाद भारत के साथ एकजुटता दिखाई है। तुलसी ने एक्स पर लिखा, हम पहलगाम में 26 हिंदुओं को निशाना बनाकर किए गए आतंकी हमले के बाद भारत के साथ खड़े हैं। मेरी प्रार्थनाएं और संवेदना उन लोगों के साथ हैं, जिन्होंने प्रियजनों को खोया है।

संक्षिप्त समाचार

स्कॉर्पियो और बाइक की भीषण टक्कर, तीन की मौत एक गंभीर रूप से घायल

कैमूर, एजेंसी। बिहार के कैमूर में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है, जिसमें स्कॉर्पियो और बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में बाइक पर सवार तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना कैमूर जिले के भभुआ-मोहानिया पथ पर परसिया गांव के पास का है। बताया जा रहा है कि बाइक पर सवार चार युवक भभुआ के बारे गांव से मोहनिया जा रहे थे, तभी मोहनिया की दिशा से तेज रफ्तार में आ रही स्कॉर्पियो से उनकी बाइक की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक पर सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरे युवक ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं, घायल युवक को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। मृतकों की पहचान भभुआ थाना क्षेत्र के बारे गांव के मंटू पटेल का पुत्र आदर्श पटेल, स्वर्गीय पप्पू तिवारी का पुत्र आदित्य तिवारी, और जितेंद्र यादव का पुत्र भोलू यादव के रूप में हुई हैं। वहीं घायल युवक की पहचान प्रभु गोंड के पुत्र विकास गोंड के रूप में हुई है। घटना की जानकारी देते हुए ग्रामीणों ने बताया कि बाइक पर सवार चार लड़के तेज रफ्तार से परसिया गांव के पास जा रहे थे, तभी मोहनिया से तेज गति से आ रही स्कॉर्पियो ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। ग्रामीणों ने स्थानीय प्रशासन से मांग की है कि मृतकों के परिवारों को आर्थिक सहायता दी जाए और घायल युवक के इलाज में भी मदद की जाए। साथ ही, ग्रामीणों ने यह भी आग्रह किया कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त यातायात नियमों का पालन कराया जाए। स्थानीय पुलिस और प्रशासन ने घटनास्थल पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है और हादसे की जांच की जा रही है।

मॉर्निंग वॉक पर निकले पति-पत्नी को ट्रक ने कुचला, मचा हड़कंप

खगड़िया, एजेंसी। बिहार में सड़क हादसे में एक दंपति की मौत हो गई है। इस घटना के बाद इलाके में मातम का माहौल कायम हो गया है। जानकारी के मुताबिक, खगड़िया जिले के चौथम थाना क्षेत्र के एनएच 107 पर डुमरी पुल और सोनवर्षा घाट के बीच अनियंत्रित ट्रक ने दंपत्ति को रौंद दिया /जिसके कारण दंपत्ति की मौत हो गई। यह घटना रविवार अहले सुबह तीन बजे की बताई जा रही है। मृतक की पहचान सोनवर्षा घाट निवासी रामोतार मुनि (51 वर्ष) एवं उनकी 41 वर्षीय पत्नी सरोजनी देवी के रूप में हुई है। इस घटना में आधा दर्जन बकरियों की भी मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि, दंपत्ति का बासा एनएच 107 के किनारे है। जहां वह अपने मवेशियों और बकरियों के साथ रहते थे। मृतक के परिजनों ने बताया कि,रविवार की अहले सुबह तीन बजे पति और पत्नी घर से निकलकर टहल रहे थे। इसी बीच बालू लदा ट्रक अनियंत्रित होकर दंपत्ति को कुचलते हुए सड़क के किनारे पलट गई। वहीं, घटना के बाद ट्रक छोड़कर चालक और उप चालक भागने में सफल रहा। इस घटना को लेकर लोगों का मानना है कि ट्रक ड्राईवर का आंख लग गया होगा। इसी कारण ट्रक अनियंत्रित हो गया। घटना के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। घटना की जानकारी मिलने पर चौथम थाना की पुलिस ने दोनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।इधर, सूचना मिलने के बाद चौथम थानाध्यक्ष अजीत कुमार के निर्देश पर पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है। साथ ही घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। बताया जाता है कि, मृतक दंपत्ति को चार बेटियां और दो बेटे हैं।

मधुबनी में बेरहमी से बहनोई की हत्या कर फेंका शव, साला गिरफ्तार ; घर में मची चीख-पुकार

मधुबनी, एजेंसी। मधुबनी के बेनीपट्टी थाने के बिशनपुर धोबिघटा पुल के निकट तेज हथियार से कटा हुआ शव बरामद हुआ है। युवक का शव सड़क के किनारे फेंका हुआ था। मृतक की पहचान साहरघाट थाना क्षेत्र के त्रिमुहान गांव के नूधो यादव के रूप में की गयी है। घटनास्थल पर बाइक पड़ी हुई है, जबकि युवक के मुंह, आंख कान पर जख्म हैं एवं शव खून से लथपथ है। घटनास्थल पर थाना अध्यक्ष शिव शरण शाह ने पहुंचकर मामले की जांच की है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मधुबनी भेज दिया है। पुलिस ने मृतक के साले को गिरफ्तार कर लिया है।

पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ आरजेडी के मार्च में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे

पटना, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले से पूरा देश दुखी है। इस हमले के खिलाफ देश के अलग-अलग हिस्सो में लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं। बिहार के लखीसराय में राष्ट्रीय जनता दल की तरफ से पहलगाम हमले के विरोध में कैंडल मार्च निकाला गया था। अब इस मार्च में कथित तौर से कुछ लोगों द्वारा पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए जाने की बात कही जा रही है। पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि, लाइव हिन्दुस्तान इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। इस वीडियो को लेकर राजद के लखीसराय जिलाध्यक्ष ने एक न्यूज चैनल से बातचीत में कहा कि गलती से नारे लग गए।

मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि यह पूरा मामला और इस कथित वायरल वीडियो की भनक पुलिस को भी लग गई। अब पुलिस इस पूरे मामेल की जांच में जुटी है। कहा जा रहा है कि जो वीडियो वायरल हुआ है उसमें राजद के कुछ कार्यकर्ता मौजूद हैं। इस वीडियो को लेकर जी न्यूज (बिहार-झारखंड) से बातचीत में लखीसराय राजद के जिलाध्यक्ष कालीचरण दास ने सफाई भी दी है।

चैनल से बातचीत के दौरान हालांकि, पहले तो राजद के जिलाध्यक्ष कालीचरण दास ने यह मानने से इनकार कर दिया कि कैंडल मार्च के दौरान पाकिस्तान जिंदाबादके नारे लगाए गए थे। उन्होंने कहा कि यह गलत बोला जा रहा है कि ऐसे नारे लगाए गए हैं। लेकिन जब उन्हें यह वीडियो दिखाया गया तब उन्होंने कहा कि नहीं, नहीं...गलती से किसी ने लगा दिया था नारा। कालीचरण दास भी इस कैडल मार्च में खुद मौजूद थे। उन्होंने कहा कि हां, हां...गलती से ऐसा हो गया है। उसको कहा गया था डिलीट करने के लिए, लेकिन वीडियो को रख दिया गया है।

आरजेडी नेता कालीचरण दास से जब यह पूछा गया कि इस मामले में क्या कार्रवाई हुई है? तब उन्होंने कहा कि गलती से यह हो गया है। पार्टी उसपर कार्रवाई कर रही है। उसने माफी मांगी है और कहा है कि गलती से मुंह से निकल गया, गलती से मुंह से निकला है। यह गलती से हुआ है और उनको कहा गया था कि इसे डिलीट कर दीजिए लेकिन मीडिया प्रभारी विनय कुमार उसको डिलीट नहीं कर सके। एक शख्स ने गलती से नारा लगा दिया था। आरजेडी नेता ने कहा कि सभी लोगों ने ऐसा नारा नहीं लगाया। लगाना था हिन्दुस्तान जिंदाबाद का नारा तो पाकिस्तान का नाम आ गया। इधर अब इस मामले पर राजनीति भी शुरू हो गई है। बिहार बीजेपी की तरफ से इसका एक वीडियो एक्स पर शेयर किया गया है। वीडियो को शेयर करते हुए बीजेपी की तरफ से लिखा गया है, राजद का असली चेहरा फिर बेनकाब! लखीसराय जिला के सूर्यगढ़ा विधानसभा क्षेत्र में राजद जिलाध्यक्ष कालीचरण दास और उपाध्यक्ष प्रेमसागर यादव के नेतृत्व में पाकिस्तान जिंदाबाद के लगाए गए नारे...।

बिहार में भीषण सड़क हादसा, स्कॉर्पियो और बाइक की टक्कर में एक ही गांव के 4 युवकों की मौत

कैमूर, एजेंसी। भभुआ-मोहनियां पथ पर सेमरियां गांव के पास रविवार की सुबह स्कॉर्पियो और बाइक की टक्कर में चार नवयुवकों की मौत हो गई। चारों युवक बाइक पर ही बैठे थे। बाइक लेकर चारों भभुआ से अपने गांव बारे जा रहे थे।

इसी दौरान सेमरिया के पास सामने से आ रही स्कॉर्पियो में बाइक टकरा गई। इससे तीन की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक युवक को गंभीर हालत में सदर अस्पताल से बेहतर इलाज के लिए वाराणसी रेफर कर दिया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।मृतकों में भभुआ थाना क्षेत्र के बारे गांव निवासी जितेंद्र कुमार यादव का पुत्र वीरेंद्र कुमार 22 वर्ष, स्व. पप्पू तिवारी का पुत्र सन्नी देवल तिवारी 22 वर्ष, मंटू चौधरी का पुत्र आदर्श चौधरी 21 वर्ष, प्रभु गोंड का पुत्र विकास कुमार गोंड 23 वर्ष बताए जाते हैं।इसमें घटनास्थल पर ही वीरेंद्र कुमार यादव, सन्नी देवल तिवारी और आदर्श चौधरी की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि विकास कुमार गोंड की मौत वाराणसी जाने के दौरान रास्ते में हो गई।बाइक और स्कॉर्पियो की टक्कर के बाद स्कॉर्पियो सड़क किनारे खेत में जा कर पेड़ में टकरा गई। इससे स्कॉर्पियो भी क्षतिग्रस्त हो गई। स्कॉर्पियो को छोड़ कर चालक फरार हो गया। इस दुर्घटना के बाद मौके पर बारे सहित आसपास के गांवों के कई लोग जुट गए। बारे गांव के चारों युवकों की मौत की सूचना से गांव में कोहराम मच गया।

4 जिलों के लिए चेतावनी, 60 चस्प्रति घंटे के रफ्तार से आंधी के साथ बारिश की संभावना

पटना, एजेंसी। राजधानी में सुबह से सूरज की तपिश बर्दाश्त से बाहर हो गई थी। दोपहर होते-होते तापमान 43 डिग्री से?ल्सियस पहुंच गया। लोगों का घर से निकलना मु?श्किल हो गया।

वहीं, 44.6 डिग्री सेल्सियस के साथ डेहरी और गया प्रदेश में सबसे गर्म रहा। हालांकि, मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, आज से मौसम का मिजाज बदलेगा और आंधी-वर्षा होने से गर्मी से थोड़ी राहत मिलेगी। अगले 24 घंटों के दौरान पटना सहित नालंदा, जहानाबाद, गया, नवादा, बेगूसराय, जमुई, बांका, भागलपुर, मुंगेर, खगड़िया के कुछ स्थानों पर मेघ गर्जन, वज्रपात के साथ 30-40 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज हवा चलने को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है।

जबकि, चार जिलों के पूर्वी चंपारण, सुपौल, सीतामढ़ी और मधुबनी जिले के एक या दो स्थानों पर 50-60 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज हवा चलने के साथ मेघ गर्जन, वज्रपात और ओला गिरने को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

उत्तरी क्षेत्रों के अधिकतर भागों में गरज-तड़क के साथ आंधी-पानी की चेतावनी जारी की गई है। 72 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान में तीन से पांच डिग्री की गिरावट के आसार है। मौसम विभाग के अनुसार पूर्वी बिहार और उससे सटे उप हिमालयी पश्चिम बंगाल पर चक्रवाती परिसंचरण का क्षेत्र बना हुआ है। असम और आसपास इलाकों के ऊपर हवा का चक्रवाती परिसंचरण का क्षेत्र बना हुआ है। इन सभी मौसमी प्रभाव के कारण अगले चार से पांच दिनों तक प्रदेश के अलग-अलग भागों में गरज-तड़क के साथ वर्षा होने के कारण मौसम सामान्य होने के साथ लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिलने की संभावना है। शनिवार को पटना सहित 15 जिलों में भीषण गर्मी का प्रभाव बना रहने के साथ अधिकतम तापमान में वृद्धि दर्ज की गई। पटना का अधिकतम तापमान में 1.4 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि के साथ 43.0 डिग्री सेल्सियस जबकि 44.6 डिग्री सेल्सियस के साथ डेहरी और गया सबसे गर्म जिला दर्ज किया गया। बीते 24 घंटे के अनुसार गया के अधिकतम तापमान में 1.2 डिग्री, औरंगाबाद में 1.6 डिग्री, डेहरी में 1.2 डिग्री, भोजपुर में 1.2 डिग्री, छपरा में 1.2 डिग्री, बक्सर में 0.5 डिग्री, नालंदा में 1.8 डिग्री और बक्सर में 1.5 डिग्री तथा बांका में 1.5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि दर्ज की गई।

मॉडल टाउन के रूप में विकसित होगा नगर निकाय क्षेत्र, मिलेंगी शहर जैसी सुविधाएं

भागलपुर, एजेंसी। जिले के नगर निकाय क्षेत्र को नियोजित तरीके से मॉडल टाउन के रूप में विकसित किया जाएगा। पुराने मोहल्ले में 12 फीट और नए क्षेत्र में 20 फीट चौड़ी सड़क अनिवार्य होगी। तभी उस इलाके में भवन निर्माण के लिए नक्शा को स्वीकृति मिलेगी।

यही नहीं, हर घर में बार कोडयुक्त होल्डिंग नंबर प्लेट लगाए जाएंगे। इसमें लगे बारकोड को मोबाइल से स्कैन करते ही हर तरह की पलक झपकते ही हर तरह की जानकारी मिल जाएगी।

इसके लिए 15 मई से जीआईएस बेस्ड बेस मैप एंड प्रॉपर्टी सर्वे का कार्य शुरू होगा। आठ स्टेज में सर्वे किया जाएगा। आठवें चरण में 41 बिंदुओं पर फाइनल रिपोर्ट तैयार की जाएगी। नगर परिषद क्षेत्र में जेएमई प्राइवेट लिमिटेड और नगर पंचायत क्षेत्र में जीआईएस केसीटियम सर्वे का काम करेगा।

इसके बाद तैयार कार्ययोजना के आधार पर ही नया शहर आकार लेगा। इससे अकबरनगर, पीरपैंती, हबीबपुर, सबौर, नवगछिया, कहलगांव और सुल्तानगंज का नियोजित विकास होगा।

प्रॉपर्टी सर्वे के दौरान घरों में बार कोड वाला होल्डिंग प्लेट लगाया जाएगा। जिसके बाद लोगों को किसी के घर को तलाश करने में ज्यादा भाग-दौड़ नहीं करनी पड़ेगी। दरवाजे पर लगे होल्डिंग प्लेट के बार कोड को स्कैन करते ही भवन मालिक का पूरा डाटा मोबाइल पर आ जाएगा।

नगर परिषद कहलगांव, नवगछिया और सुलतानगंज के सर्वे का कार्य जेएमई प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया है। अकबरनगर, पीरपैंती, हबीबपुर, सबौर का सर्वे कार्य जीआईएस केसीटियम प्राइवेट लिमिटेड को सौंपा गया है। सर्वे शुरू होने से पहले नगर पंचायत और नगर परिषद में बैठकों का दौर शुरू हो चुका है।

शनिवार को हबीबपुर नगर पंचायत के चेयरमैन की अध्यक्षता में सर्वे के प्रारूप की जानकारी देने के लिए बैठक हुई। इसमें डिप्टी चेयरमैन, पार्षद और टाउन प्लानर मन्नू यादव आदि मौजूद थे।

हबीबपुर के वार्ड नौ को मॉडल वार्ड के रूप में चयनित किया गया है। यहां सबसे पहले सर्वे होगा। इधर सोमवार को पीरपैंती में बैठक होगी। सबौर में तीन दिन पहले बैठक हो चुकी है। भागलपुर नगर निगम क्षेत्र के सर्वे का काम पूरा हो चुका है।

खराब प्रदर्शन करने वाले 6 एसडीपीओ की बढ़ी मुश्किलें, डीआईजी ने मांगा जवाब

मुजफ्फरपुर। तिरहुत रेंज के डीआईजी चंदन कुमार कुशवाहा ने शनिवार को पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इसमें अपराध नियत्रंण एवं विधि- व्यवस्था संधारण को बेहतर से बेहतर करने के लिए उपस्थित सभी पुलिस अधिकारियों से विमर्श कर कई बिंदुओं पर निर्देश दिए।

इस दौरान सभी जिले के लंबित केसों के निष्पादन की भी समीक्षा की गई। इसमें पाया गया कि मार्च में तिरहुत के सभी जिलों में 3528 मामले दर्ज किए गए है। इसकी तुलना 511 अधिक 4039 केसों का निष्पादन किया गया है। इसमें और तेजी लाने के लिए डीआईजी ने एसएसपी और सभी एसपी को निर्देश दिया।

इस बैठक में मुजफ्फरपुर के एसएसपी सुशील कुमार, सिटी एसपी विश्वजीत दयाल, ग्रामीण एसपी विद्या सागर, वैशाली, सीतामढ़ी, शिवहर के एसपी तथा परिक्ष्यमान पुलिस अधीक्षक मौजूद थे। बैठक में रेंज के सभी जिलों में पदस्थापित एसडीपीओ और अंचल पुलिस निरीक्षकों के कार्यों की भी समीक्षा की गई।

एसडीपीओ से स्पष्टीकरण

इसमें मुजफ्फरपुर के एसडीपीओ नगर टू के द्वारा सात केस, एएसपी पूर्वी पूर्वी वन के द्वारा नौ केस, एसडीपीओ पूर्वी टू के द्वारा 13 केस, एसडीपीओ सदर वन सीतामढ़ी द्वारा चार केस, एसडीपीओ सदर टू लालगंज वैशाली के द्वारा 18 केसों में प्रगति प्रतिवेदन निर्गत किया गया है।एसडीपीओ नगर वन मुजफ्फरपुर के द्वारा मार्च में मात्र 13 केसों में पर्यवेक्षण टिप्पणी समर्पित किया गया है। इस पर डीआईजी ने उक्त पुलिस अधिकारियों का प्रदर्शन निम्न कोटि का पाते हुए सभी संबंधित एसडीपीओ से स्पष्टीकरण मांगा है।मार्च में किये गये कार्यों की भी समीक्षा की गई। इसमें सदर थाना मुजफ्फरपुर में लंबित अविशेष प्रतिवेदित केसों के निष्पादन एवं पर्यवेक्षण के लिए प्रतिनियुक्त इंस्पेक्टर राज कुमार के द्वारा मात्र 10 पर्यवेक्षण टिप्पणी, छह समीक्षात्मक टिप्पणी एवं 35 केसों में ही अंतिम आदेश निर्गत किया गया है।

कटिहार में थाने पर हमला मामले में भाजपा नेता के घर छापेमारी, पुलिस ने मां को हिरासत में लिया

कटिहार, एजेंसी। कटिहार जिले में डंडखोरा थाने पर रायपुर गांव के लोगों ने शराब कारोबारी को छुड़ाने के लिए हमला बोल दिया था. करीब 100 से भी ज्यादा संख्या में लाठी-डंडे लेकर पहुंचे लोगों ने थाने में जमकर उत्पात मचाया. पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट की और थाने में मौजूद कई सामानों को क्षतिग्रस्त कर दिया. इस घटना में कई पुलिसकर्मी घायल भी हो गए. ऐसे में अब इस पूरे घटनाक्रम को लेकर पुलिस एक्शन मोड में आ गई है और ताबड़तोड़ कार्रवाई शुरू हो गई है.

दरअसल, इस घटना के बाद पुलिस एक्टिव हो गई और थाना पर हमला करने वाले सभी उपद्रवियों की खोजबीन में जुट गई है. जानकारी के मुताबिक, कई थानों की पुलिस नवादा गांव पहुंची और छापेमारी के दौरान रायपुर पंचायत के मुखिया सह भाजपा प्रखंड अध्यक्ष आलोक कुमार के घर पहुंची. दूसरी ओर परिजनों का आरोप है कि, पुलिस ने घर में तोड़फोड़ की. स्कॉर्पियो और ट्रैक्टर को जब्त कर थाने ले आई है. इस घटना को लेकर बड़ा अपडेट यह भी सामने आया है कि, पुलिस ने नवादा गांव के मुखिया आलोक कुमार की मां को हिरासत में ले लिया है. इतना ही नहीं, इसके अलावा पूर्व मुखिया संजीव चौहान के परिजनों ने भी पुलिस पर छापेमारी के दौरान मारपीट में घर के सामान क्षतिग्रस्त करने का आरोप लगाया. मामले में बताया जा रहा है कि, पुलिस को इस बात का अनुमान है कि, थाना पर हमला करने वालों को उकसाने में स्थानीय मुखिया की भूमिका रही है. खैर, इस पूरी घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मचा हुआ है. देखना होगा कि, पुलिस क्या कुछ एक्शन लेती है.

लड़की भगाने के आरोपी पुलिस कस्टडी से फरार, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

रोहतास, एजेंसी। बिहार में पुलिस कस्टडी से आरोपियों के फरार होने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब रोहतास जिले के डेहरी नगर थाना क्षेत्र में एक और आरोपी पुलिस कस्टडी से फरार हो गया है। यह घटना शुक्रवार शाम की है, जब पुलिस ने लड़की भगाने के मामले आरोपी शाहनवाज फारूकी को गिरफ्तार कर थाने लाया था, लेकिन पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था को धता बताते हुए आरोपी मौके से फरार हो गया। वहीं, पिछले एक सप्ताह में यह तीसरी घटना है, जब आरोपी पुलिस कस्टडी से फरार हुए हैं। इससे पहले काराकाट थाना क्षेत्र में दो आरोपी पेशी के दौरान पुलिस कस्टडी से भागने में सफल रहे थे। इस घटना के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। थाने में हुई इस घटना पर डेहरी नगर थानाध्यक्ष द्वारा किसी भी प्रकार की जानकारी देने से इंकार कर दिया गया है, जिससे यह मामला और अधिक संदिग्ध हो गया है। एसपी रौशन कुमार ने इस घटना की पुष्टि करते हुए कहा, ÷डेहरी पुलिस ने लड़की भगाने के आरोपी को गिरफ्तार किया था, लेकिन वह मौका देखकर फरार हो गया। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है और उम्मीद है कि जल्द ही उसे पकड़ लिया जाएगा।÷ बता दें कि इससे पहले, पिछले सप्ताह काराकाट थाना क्षेत्र में दो और आरोपी पुलिस कस्टडी से फरार हुए थे। पहला मामला शराब बिक्री के आरोपी अशोक कुमार साह का था, जिसे उत्पाद पुलिस ने दबोचा था। अशोक को न्यायालय में पेशी के लिए लाया गया था, लेकिन न्यायालय परिसर में पुलिस को चकमा देकर उसने हथकड़ी निकालकर फरार हो गया। हालांकि, पुलिस ने तीन दिन बाद उसे दबोच लिया, और उसने बाद में अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया। वहीं, एक अन्य आरोपी काराकाट पुलिस के पास से पेशी के दौरान कागजात तैयार करने के समय फरार हो गया था।इन घटनाओं के बाद पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं।

दाखिल-खारिज का आवेदन अटकाना सीओ और आरओ को पड़ गया महंगा, अब 3 दिन के अंदर जेब से भरने होंगे पैसे

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। जिले में दाखिल-खारिज के मामले लटकाने वाले अंचलाधिकारी और राजस्व कर्मचारियों को अब आर्थिक रूप से भी दंडित किया जा रहा है।

डीएम सुब्रत कुमार सेन के आदेश पर एसडीओ पूर्वी अमित कुमार ने मीनापुर के अंचलाधिकारी और राजस्व अधिकारी पर क्रमश÷ तीस हजार और बीस हजार रुपये का दंड अधिरोपित किया है।

तीन दिनों में दोनों अधिकारियों को दंड की राशि कोषागार में जमा करनी होगी। दंड जमा करने तक वेतन बंद किए जाने का भी आदेश दिया गया है।

विदित हो कि आमलोगों को समय से योजनाओं का लाभ मिल सके, इसके लिए डीएम लगातार मानीटरिंग करते हैं। इस क्रम में वह 17 अप्रैल को मीनापुर अंचल कार्यालय का निरीक्षण किया था।

डीएम ने पाया कि 1430 दाखिल-खारिज के मामले निष्पादन के लिए लंबित थे। इसपर नाराजगी जताई थी। इसके अलावा परिमार्जन प्लस के भी 1231 आवेदन लंबित थे। डीएम ने इसे भी चिंताजनक माना था।

इसके अलावा भी कई मामलों में गड़बड़ी पर सीओ और राजस्व अधिकारी से स्पष्टीकरण मांगा था। साथ ही 60 दिनों से अधिक समय तक लंबित दाखिल-खारिज के मामले पर आर्थिक दंड लगाने की बात कही गई।

डीएम के आदेश पर एसडीओ पूर्वी ने इसकी समीक्षा की। इसमें पाया गया कि मीनापुर अंचल में दाखिल खारिज के ढाई सौ ऐसे वाद पाए गए जिसका निष्पादन 60 दिनों के बाद तक नहीं किया गया था।

इसे देखते हुए अंचलाधिकारी को दो सौ मामलों को लेकर दंडित किया गया। प्रति मामले में डेढ़ सौ का जुर्माना लगाते हुए कुल 30 हजार रुपये का दंड लगाया गया।

वहीं सौ रुपये प्रति मामले का दंड अधिरोपित करते हुए राजस्व कर्मचारी को 20 हजार रुपये जमा करने का आदेश दिया गया। दोनों अधिकारियों को तीन दिनों में उक्त राशि जमा करने को कहा गया है। दंड की राशि जमा करने तक दोनों का वेतन बंद रहेगा।

बिहार में 60% से ज्यादा क्राईम के मामले जमीन विवाद से जुड़े हैं: रामशरण यादव

बीएनएम। मोतिहारी

जन सुराज पार्टी कार्यालय में जिला अध्यक्ष रामशरण यादव ने रविवार को प्रेस वार्ता करते कहा कि बिहार में जातीय जनगणना के आंकड़े 7 नवंबर, 2023 को विधानसभा के पटल पर रखे गए थे। 22 नवंबर, 2023 को सरकार ने जाति जनगणना के आधार पर कुछ महत्वपूर्ण घोषणाएं की थी, लेकिन सरकार की घोषणाएं कभी जमीन पर लागू नहीं हुई। जन सुराज सरकार से जातीय जनगणना और भूमि सर्वे को लेकर पूरे बिहार में आंदोलन करने जा रहा है। सरकार से जन सुराज की कुछ सवाल है जिसमें 1. बिहार सरकार जातीय जनगणना और भूमि सर्वे पर श्वेत पत्र जारी करे। 2. जातीय जनगणना रिपोर्ट में आरक्षण बढ़ाने की सिफारिश की गई थी, लेकिन अब तक आरक्षण की सीमा नहीं बढ़ाई गई है। सरकार इस पर अपनी स्थिति स्पष्ट करे। 3. सरकार ने 22 नवंबर 2023 को घोषणा की थी कि 94 लाख परिवारों को रोजगार के लिए 2 लाख रुपए की सहायता दी जाएगी, अभी तक एक भी परिवार को 1 पैसा नहीं मिला है, क्यों? 4. सरकार ने जातीय जनगणना में घोषणा की थी कि 40 लाख बेघर परिवारों को 1 लाख 20 हजार रुपए की सहायता दी जाएगी। अभी तक वो भी सहायता नहीं मिली है. क्यों? 5. 2006 में नीतीश सरकार ने दलित विकास मिशन की शुरुआत की थी और 2008 में भूमिहीन दलितों को 3 डिसमिल जमीन देने का वादा किया गया था। अबतक केवल 2 लाख 34 हजार दलित परिवारों को ही जमीन दी गई है और उसमें भी 1 लाख 20 हजार परिवारों को जमीन का कब्जा नहीं मिला है, इसका जवाब दे सरकार। 6. 2013 में फरवरी 2025 के बीच मात्र 20 प्रतिशत जमीनों का ही डिजिटाइजेशन हुआ है, जबकि आंध्र प्रदेश में 80 प्रतिशत जमीन डिजिटाइज हो चुकी है, सरकार अबतक डिजिटाइजेशन क्यों नहीं करा पाई है? 7. जमीन सर्वे के नाम नीचे अधिकारियों ने भ्रष्टाचार के माध्यम से गरीब जनता को लूट रही है। विभिन्न सरकारी पदों जैसे कि को के लिए के लाखों रुपए की रिश्वत ली जा रही है। 8. बिहार अपराध बढ़ने के दो प्रमुख कारण हैं एक शराबबंदी और दूसरा जमीन सर्वे। बिहार में 60 प्रतिशत से ज्यादा क्राइम के मामले जमीन विवाद से जुड़े हैं। 9. जन सुराज जातीय जनगणना रिपोर्ट में किए गए वादों और भूमि सर्वे हुई अनियमितताओं के खिलाफ सरकार से जवाब मांग रहा है। 10. जन सुराज आगामी 11 मई से बिहार के 40 हजार से भी ज्यादा गांवों में इन मुद्दों पर बैठकों का आयोजन कर हस्ताक्षर अभियान चलाएगा।11. आगामी 11 जुलाई को जन सुराज के सदस्य 1 करोड़ लोगों के हस्ताक्षर के साथ राज्यपाल और मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने जाएंगे और इससे भी बात नहीं बनी तो चुनाव से पहले विधानसभा के अंतिम सत्र का घेराव किया जाएगा। उक्त मौके पर जिला प्रभारी राघवेंद्र पाठक, कृष्णकांत मिश्र, अनिल कुमार वर्मा, हरेंद्र यादव, मिन्हाज सहित अन्य जन सुराज के नेता शामिल रहे।

संक्षिप्त समाचार

सर्वोदय मंडल द्वारा गांधी संग्रहालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी। जिला सर्वोदय मंडल ने गांधी संग्रहालय मोतिहारी में एक शोक सभा का आयोजन किया, जिसमें पहलगाम में हुए आतंकी हमले में निर्दोष लोगों की जघन्य हत्या पर दुख व्यक्त किया गया। इस हमले ने न केवल भारत, बल्कि पूरी दुनिया को हिला कर रख दिया है, जहां आतंकवाद ने निर्दोष लोगों की जान ली। इस मौके पर कैंडल जलाकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए श्रद्धांजलि अर्पित की गई और कैंडल मार्च निकाला गया। मार्च में राय सुंदर देव शर्मा, डॉ. कमलेश कुमार, समाजसेवी विनय कुमार, रंजीत गिरी, नवनीत कुमार गिरी, दिग्विजय कुमार सिंह, रंजीत कुमार, आकर्ष कुमार तिवारी, कौशल सिंह सहित कई लोग और बच्चों ने भाग लिया। सभी उपस्थित लोग इस हमले को लेकर गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए शोक में डूबे थे। इस शोक सभा और कैंडल मार्च के माध्यम से लोगों ने आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता और शांति की अपील की। इस घटना ने सभी को यह महसूस कराया कि हमें आतंकवाद और हिंसा के खिलाफ मिलकर संघर्ष करना चाहिए और मानवता की रक्षा करनी चाहिए।

रक्सौल के दलित बस्ती में लगी भीषण आग में दर्जनों घर जलकर राख

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के रक्सौल में दलित बस्ती में लगी भीषण आग में दर्जनो घर जलकर राख हो गये। बताया जा रहा है,कि तेज हवा के बीच लगी आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते कई घर इसकी चपेट में आ गए। आग लगने की सूचना स्थानीय लोगों ने तुरंत अग्निशमन विभाग को दी। मौके पर अग्निशमन विभाग की दो गाड़ियां पहुंची और भारी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।घटना की सूचना मिलते ही रक्सौल पुलिस व एसएसबी के जवान भी मौके पर पहुंचे और आग बुझाने में स्थानीय लोगों की मदद की। अगलगी की इस घटना में लाखों रुपये की संपत्ति के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। स्थानीय निवासी चंद्रिका मलिक ने बताया कि बस्ती में कई घरों में शादियों की तैयारियां चल रही थीं। शादी के लिए खरीदे गए कपड़े, गहने और अन्य सामान भी आग की भेंट चढ़ गए। उन्होंने बताया कि सभी लोग शादी की तैयारियों में व्यस्त थे, तभी अचानक आग ने सबकुछ तबाह कर दिया। अंचलाधिकारी शेखर राज ने बताया कि अगलगी की सूचना मिलते ही हल्का कर्मचारी को मौके पर भेजा गया है। नुकसान का आकलन किया जा रहा है। जिसके बाद प्रभावित परिवारों को सहायता प्रदान करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। घटना के बाद बस्ती में अफरा-तफरी और मायूसी का माहौल है।

गश्ती में निकले दारोगा ने खुन देकर बचाई बच्चे की जान

बीएनएम। मोतिहारी। जिला के नगर थाना में पदस्थापित एक दारोगा के सकारात्मक कार्य की पूरे जिले में चर्चा हो रही है।लोग इनके सराहनीय कार्य की खूब प्रशंसा कर रहे है।दरअसल दारोगा अमन कुमार ने अपना खून देकर एक बच्चे की जान बचाई है। देर रात गश्ती पर निकले दारोगा अमन कुमार को कुछ लोग रोते बिलखते मिले। उन्होने जब इसकी जानकारी ली पता चला कि जीवन और मौत से संघर्ष करते एक बच्चा को 300 मि.ली. ब्लड की जरूरत थी, पर कोई चिर परिचित अपना ब्लड देने को तैयार नहीं था,जिसके बाद

अमन कुमार ने बिना किसी हिचकिचाहट के ब्लड डोनेट करने का फैसला किया और देर रात में ब्लड डोनेट किया। उनकी इस पहल ने बच्चे की जान बच गई। अमन कुमार की इस पहल ने पुलिस के मानवीयता और करूणा की भावना को प्रकट किया है।पीड़ित और रक्त की जरूरत से जुझते बच्चे के परिजनो ने कहा कि पुलिस के केहु कुछो कहो "आज वर्दी पहिरेले पुलिसे वाला के मदद से हमार बबुआ के जान बचल ह"।

महा कुर्की: कुख्यात कमरुद्दीन मियां उर्फ ढोलकवा ने पुलिस के समक्ष किया सरेंडर

» पुराने आपराधिक मामले में कोर्ट से जारी हुआ था कुर्की वारंट
» अरेराज डीएसपी के समक्ष किया आत्मसमर्पण

बीएनएम। मोतिहारी

अपराध जगत में 'ढोलकवा' के नाम से कुख्यात कमरुद्दीन मियां ने रविवार को पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। हरसिद्धि थाना क्षेत्र के सरिसवा गाँव (मुरारपुर पंचायत) निवासी कमरुद्दीन के खिलाफ एक पुराने आपराधिक मामले में अदालत द्वारा कुर्की का वारंट निर्गत किया गया था। महाकुर्की अभियान के तहत अरेराज डीएसपी रंजन कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल जब कमरुद्दीन के घर कुर्की जब्ती के लिए पहुँचा, तो इसकी भनक लगते ही वह सहम गया और कार्रवाई शुरू होने से पहले ही पुलिस के समक्ष सरेंडर कर दिया। वहीं एक अन्य आरोपी झाड़वा निवासी म. अयूब ने भी पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। बताया जाता है कि कमरुद्दीन पिछले लगभग दस वर्षों से आपराधिक गतिविधियों से दूरी बनाकर सामाजिक कार्यों में सक्रिय था। इसी क्रम में पुलिस ने जगन्नाथ सिंह हत्याकांड के फरार अभियुक्त मदन सिंह (ओलाहा) एवं उसके पुत्र आकाश सिंह के घर भी कुर्की की कार्रवाई की। इस कार्रवाई में दंडाधिकारी के रूप में सीओ अरविंद कुमार चौधरी उपस्थित रहे। हरसिद्धि थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने जानकारी दी कि इस अभियान के तहत कुल चार कुर्की वारंट का निष्पादन किया गया है।

अरेराज पुलिस ने चलाया सघन रात्रि वाहन चेकिंग अभियान

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के अरेराज थाना क्षेत्र में थाना अध्यक्ष विभा कुमारी के नेतृत्व में सघन रात्रि वाहन चेकिंग अभियान निरंतर जारी है। इस अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में अपराध नियंत्रण को बढ़ावा देना और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना है। थाना अध्यक्ष विभा कुमारी हर रात इस अभियान का नेतृत्व करती हुई नजर आती हैं, जहां वे सड़क पर गुजरने वाले प्रत्येक वाहन की बारीकी से जांच करती हैं। इस दौरान वाहन चालकों के दस्तावेजों की गहन जांच की जा रही है और साथ ही संदिग्ध व्यक्तियों से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस पूरी तरह से सक्रिय है और अवैध गतिविधियों पर कड़ी नजर बनाए हुए है। थाना अध्यक्ष ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई गई है और किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा। विभा कुमारी ने आम जनता से अपील करते हुए कहा है कि वे अपने वाहन से संबंधित सभी दस्तावेज दुरुस्त रखें, जांच के दौरान पुलिस का सहयोग करें और कानून का पालन करें। इस अभियान से क्षेत्र में सुरक्षा की भावना बढ़ रही है और लोग पुलिस के प्रयासों को सराह रहे हैं।

मेहसी में आतंकी हमले के शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि, सीपीआई(एम) के नेतृत्व में निकाली गई कैंडल मार्च

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के मेहसी में कश्मीर के पहलगांव में हाल ही में हुए आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष भारतीय लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की चकिया, मेहसी, तेतरिया लोकल कमिटी के तत्वावधान में शनिवार की शाम मेहसी में एक भावनात्मक कैंडल मार्च निकाला गया। इस दौरान शहीदों की याद में एक मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। कैंडल मार्च मेहसी पार्टी कार्यालय से प्रारंभ होकर रेलवे स्टेशन चौक, खेसारी चौक, बैंक चौक होते हुए पुनः पार्टी कार्यालय पर आकर संपन्न हुआ। मार्च में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, कार्यकर्ता और पार्टी पदाधिकारी शामिल हुए। उक्त कार्यक्रम का नेतृत्व कॉमरेड इम्तेयाज अहमद ने किया, जबकि सभा को महागठबंधन के पूर्व प्रत्याशी एवं वरिष्ठ वाम नेता कामरेड राजमंगल प्रसाद ने संबोधित किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा, "हम इस आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हैं और शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हैं। आतंकवाद के खिलाफ सरकार की कार्रवाई का समर्थन करते हैं, परंतु उसमें किसी भी प्रकार की धार्मिक कट्टरता नहीं होनी चाहिए।" उन्होंने आगे कहा कि पुलवामा हमले के बाद भी जनता को सुरक्षा चूक को लेकर कोई ठोस जानकारी नहीं दी गई थी, जिससे लोगों के मन में असुरक्षा की भावना बनी हुई है। उन्होंने सरकार से पारदर्शिता की मांग करते हुए कहा कि इस तरह की घटनाओं की गहराई से जांच होनी चाहिए और दोषियों को सख्त सजा मिलनी चाहिए। सभा को संबोधित करते हुए लोकल कमिटी सचिव कॉमरेड मुकेश कुमार, DYFI जिला अध्यक्ष कॉमरेड विक्की कुमार, पैक्स अध्यक्ष कॉमरेड दिलीप कुमार, धर्मनाथ कुमार, कॉमरेड ब्रजकिशोर प्रसाद समेत अन्य नेताओं ने भी आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता और शांति की अपील की। सभा में वक्ताओं ने कहा कि पार्टी एक चट्टानी एकता के साथ पाकिस्तान पोषित आतंकवाद का विरोध करती है और देश की अखंडता एवं शांति के लिए प्रतिबद्ध है।

समकालीन अभियान: अवैध शराब धंधेबाजों और वारंटियों पर बड़ी कार्रवाई, 21 गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी

हरसिद्धि थाना क्षेत्र में शनिवार को पुलिस ने समकालीन अभियान चलाकर अपराध और अवैध कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। अभियान के दौरान पुलिस ने 150 लीटर देसी चुलाई शराब जब्त कर तीन शराब कारोबारी और तीन शराब बनाने वालों को गिरफ्तार किया। इसके अलावा, 5 पियक्कड़ और 10 वारंटी अभियुक्तों को भी दबोच लिया गया। इस कार्रवाई से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। अभियान का नेतृत्व थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने किया। पुलिस टीम में अपर थानाध्यक्ष मनीष राज, एसआई शंभू मालाकार, एसआई संतोषी कुमारी, एसआई विभा कुमारी, एसआई संजय सिंह सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहे। साथ ही अन्य स्थानों से भी कई वारंटी और शराब से जुड़े अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने बताया कि गिरफ्तार सभी अभियुक्तों से पूछताछ के बाद उन्हें रविवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसे सघन अभियान लगातार जारी रहेंगे।

लोकतंत्र की रक्षा करना पार्टी का मूल कर्तव्य: सर्वोदय शर्मा

बीएनएम। मोतिहारी

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के वरिष्ठ नेता कामरेड सर्वोदय शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा करना पार्टी के प्रत्येक सदस्य का मूल कर्तव्य है। इसके लिए जनवादी शक्तियों को संगठित कर जन आंदोलन के माध्यम से लोकतंत्र पर मंडराते खतरों का सामना करना होगा। वे रविवार को मोतिहारी के बसतपुर में आयोजित पार्टी के एकदिवसीय कार्यकर्ता कन्वेंशन को संबोधित कर रहे थे। कामरेड शर्मा ने छात्रों, नौजवानों, महिलाओं तथा शोषण व दमन के शिकार समूहों की समस्याओं को चिन्हित कर संघर्ष का मार्ग अपनाने और पार्टी के विस्तार के लिए कार्यकर्ताओं से आह्वान किया। उन्होंने हाल ही में मदुरई में संपन्न राष्ट्रीय महाधिवेशन के निर्णयों की भी विस्तार से रिपोर्टिंग की। कन्वेंशन को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक रामाश्रय सिंह ने कार्यकर्ताओं को जनवादी केंद्रीयता के महत्व को समझने तथा शिक्षा के प्रति सजग रहने की सलाह दी। कार्यक्रम के अंत में जिला मंत्री सत्येंद्र कुमार मिश्रा ने आगत कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए पार्टी के संगठन विस्तार हेतु उचित और आवश्यक कदम उठाने का आह्वान किया। कन्वेंशन की अध्यक्षता कामरेड राजमंगल प्रसाद ने की। कन्वेंशन की शुरुआत में पहलगाम में शहीद हुए सैलानियों तथा पार्टी के दिवंगत नेता विजय कुमार दत्त के सम्मान में शोक व्यक्त किया गया। कन्वेंशन में मुख्य रूप से अशोक पाठक, बंकिम चंद्र दत्त, समसुल हक अंसारी, धनंजय पुरी, मुकेश कुमार, संतोष कुमार, हरेंद्र प्रसाद सिंह, दिलीप कुशवाहा, अनिल प्रसाद, ब्रजकिशोर गुप्ता, मोहम्मद एजाजुल हक, अजय यादव, ध्रुव त्रिवेदी, निर्मला चांदनी, मोहम्मद जमालुद्दीन, धर्मनाथ यादव, विपिन बिहारी दुबे, शक्तिनाथ तिवारी, सुधांशु कुमार शेखर, सुनील राम, रामलाल गुप्ता, सत्येंद्र कुमार सूर्य, बीना देवी, इंदल साहनी, शशि रंजन शर्मा, पिंटू यादव सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने विचार व्यक्त किए। कन्वेंशन का समापन अध्यक्ष राजमंगल प्रसाद ने किया।

प्रधान डाकघर में शतरंज प्रतियोगिता आयोजित

प्रतियोगिता का उद्घाटन आईएमए बिहार के अध्यक्ष डॉ. आशुतोष शरण ने किया

बीएनएम। मोतिहारी

चंपारण डाक प्रमंडल द्वारा पूर्वी चंपारण जिला शतरंज संघ के सहयोग से रविवार को मोतिहारी प्रधान डाकघर सभागार में प्रमंडल स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में चंपारण प्रमंडल के विभिन्न डाकघरों से 31 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का उद्घाटन प्रसिद्ध चिकित्सक एवं इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए), बिहार के अध्यक्ष डॉ. आशुतोष शरण ने किया। उद्घाटन समारोह में उन्होंने डाक विभाग से जुड़ी अपनी बचपन की यादों को साझा करते हुए चंपारण डाक अधीक्षक डॉ. आशुतोष आदित्य की इस अनूठी पहल की सराहना की। डॉ. शरण ने प्रतियोगिता के विजेता को 10,000 नकद पुरस्कार देने की घोषणा भी की, जिससे प्रतिभागियों में उत्साह का माहौल रहा। गूगल मीट के माध्यम से जुड़े निदेशक डाक सेवाएं (मुख्यालय) पवन कुमार ने प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि शतरंज एक ऐतिहासिक खेल है, जिसकी जड़ें सिंधु सभ्यता तक जाती हैं। पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि मोतिहारी नगर आयुक्त एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी सौरभ सुमन यादव रहे। उन्होंने विजेताओं को बधाई दी और युवाओं को मानसिक विकास के लिए शतरंज जैसे खेलों को अपनाने की सलाह दी। इस अवसर पर जिला शतरंज संघ के अध्यक्ष धनंजय कुमार ने डाक विभाग को इस पहल के लिए धन्यवाद दिया तथा घोषणा की कि प्रतियोगिता के विजेता को आगामी सीनियर शतरंज प्रतियोगिता में पूर्वी चंपारण जिला संघ की ओर से निःशुल्क भागीदारी का अवसर मिलेगा। मुख्य निर्णायक रामचरण ने प्रतियोगिता के विजेताओं की घोषणा की। कार्यक्रम के समापन पर डाक अधीक्षक डॉ. आशुतोष आदित्य ने आयोजन की सफलता के लिए सभी प्रतिभागियों, अतिथियों और आयोजकों का आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा नेता अनिरुद्ध सहनी का निधन, शोक

बीएनएम। तुरकौलिया। भाजपा नेता अनिरुद्ध सहनी का निधन हो गया। उन्होंने पटना के रूबन अस्पताल में करीब साढ़े आठ बजे अंतिम सांस ली। वह पिछले एक माह से बीमार चल रहे थे। किडनी रोग से पीड़ित थे। इसी बीच अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी और निधन हो गया। अनिरुद्ध सहनी पहले राजद में थे। राजद छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। राजद के टिकट पर गोविंदगंज से विधानसभा चुनाव भी लड़ चुके थे। उनके निधन से इलाके में शोक की लहर है। वह अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं। गन्ना मंत्री कृष्णनंदन पासवान, दीपक शर्मा, राजकिशोर सिंह कुशवाहा, वीरेंद्र कुशवाहा, संजय प्रसाद, मुकेश सिंह, वीरेंद्र पासवान, मुखिया विनय कुमार, पूर्व प्रमुख सुभाष सिंह कुशवाहा, पंसस शाहिदा बेगम, मुखिया संघ के अध्यक्ष सुनील टाइगर, विनोद सिंह, सहित कई लोगों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। सभी ने कहा कि अनिरुद्ध सहनी नेकदिल इंसान थे। उनकी कमी हमेशा खलेगी।

चाकू गोदकर हत्या मामले में प्राथमिकी दर्ज

बीएनएम। तुरकौलिया। चाकू गोदकर हत्या करने के मामले में रघुनाथपुर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज किया है। मृतक मुस्तफा अंसारी के पिता भोला अंसारी के आवेदन पर पुलिस ने कारवाई की है। सभी आरोपियों में सुधीर सहनी, नितेश कुमार, संजू देवी, प्रयाग सहनी, सुकन देवी, मिठू कुमार है। जहां पुलिस ने कारवाई करते हुए दो महिला नामजद अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। मृतक के पिता ने बताया है कि 25 अप्रैल को करीब साढ़े नौ बजे रात्रि में लौट रहे थे। घर के समीप पहुंचे थे तो भीड़ जमा थी। देखा तो उसके पुत्र को चाकू गोदकर कुछ लोग भाग गए है। उसका पुत्र खून से लतपत था। वह जिंदगी और मौत से जूझ रहा था। पुत्र ने बताया कि उक्त सभी आरोपी ने साजिश के तहत चाकू मारा है। शहर के एक निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां उसकी मौत हो गई। थानाध्यक्ष विकास कुमार पासवान ने बताया कि आवेदन के आलोक में प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों को पकड़ने के लिए छापेमारी की जा रही है।

आदेश के बाद भी नहीं हुआ अभी तक पुलिस कर्मियों का स्थानांतरण

बीएनएम। बगहाः पुलिस जिले में सालों से एक ही जगह पर जमे पदाधिकारियों और कर्मियों को दूसरे जगहों पर भेजने की तैयारी पुलिस मुख्यालय के द्वारा की जा रही है।ऐसे में पुलिस महकमे में बड़े पैमाने पर तबादले होने की संभावना जताई जा रही है। एक ही जगह पर 8 सालों से अधिक समय से तैनात पुलिस कर्मियों का तबादला होना तय है। इसको लेकर पुलिस मुख्यालय पटना द्वारा लिस्ट मांग ली गई है। राज्य के सभी 12 पुलिस रेंज या क्षेत्र में 8 वर्ष या उससे अधिक समय से तैनात पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मियों का तबादला किया जाएगा।

पुलिस मुख्यालय पटना ने जारी किया था पत्र– पुलिस मुख्यालय ने इससे संबंधित आदेश सभी क्षेत्रीय आईजी और डीआईजी को भेजा है। पुलिस मुख्यालय के तरफ से एक पत्र लिखा गया है जिसमें ऐसे पुलिसकर्मियों की सूची तलब की गई है। जो 8 साल से अधिक समय से एक ही जगह पर तैनात है। पुलिस मुख्यालय के कार्मिक एवं कल्याण प्रभाग की स्तर से जारी पत्र में कहा गया है कि सभी आईजी - डीआईजी अपने क्षेत्राधीन कार्यरत सिपाही से लेकर पुलिस निरीक्षक स्तर के ऐसे पुलिसकर्मी की कोटि बार सूची मुहैया कराएं जिनकी क्षेत्रावधि 8 वर्ष या उससे अधिक हो गई है।

15 फरवरी तक मांगी गई थी सुची– यह सूची 15 फरवरी तक मांगी गई थी। जिसको संबंधित जिला व रेंज द्वारा सूची बनाकर समर्पित भी कर दी गई है। इधर पुलिस मुख्यालय पटना में जिलावार सुची उपलब्ध होने पर पुलिस कर्मियों और पुलिस पदाधिकारियों में काफी खुशी थी। बावजूद भी अभी तक स्थान्तरण नहीं हो पाया।

पुलिस पदाधिकारी और कर्मी कर रहे हैं तबादला की इंतजार– इधर पुलिस पदाधिकारी और पुलिस कर्मी अभी तक स्थान्तरण होने की इंतजार कर रहे है। उन लोगो का कहना है कि स्थान्तरण होने के इंतजार में बच्चों की शिक्षा में परेशानी बढ़ गई है। तथा वे आर्थिक, मानसिक व शारीरिक परेशानी विवश होकर झेल रहे हैं। पुलिस पदाधिकारियों और पुलिस कर्मियों का कहना है कि स्थान्तरण के चलते वे अभी तक अपने बच्चों का नामांकन भी नहीं करा पा रहे हैं। जिससे वे मानसिक तनाव से काफी पीड़ित है। बच्चों की नामांकन नहीं होने से जहां उनके भविष्य अंधकारमय हो रहा है। वही इंतजार की अभिलाषा में सभी लोगों की परेशानी बढ़ गई है। उन्होंने वरीय पदाधिकारियों से शीघ्र ही स्थान्तरण करने या फिर पुनः उक्त जगह पर रखने की मांग की है।

सिपाही घायल, अस्पताल में भर्ती

बीएनएम। लखीसराय। रविवार को ड्यूटी के दौरान एक सिपाही को ई रिक्शा वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे सिपाही बुरी तरह जख्मी हो गये। जख्मी सिपाही की पहचान यातायात विभाग में कार्यरत सिपाही देवेंद्र मिश्र के रूप में किया गया हैं। दरअसल घटना उस समय हुई जब सिपाही शहर में जाम छुड़वाने का प्रयास कर रहे थे।।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पंजाबी मोहल्ला की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार टोटो अचानक नियंत्रण खो बैठी और सिपाही को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि सिपाही देवेंद्र मिश्र सड़क पर बेसुध होकर गिर पड़े। हादसे में उनके हाथ में गंभीर चोटें आईं। घटना के तुरंत बाद मौके पर मौजूद उनके साथी सिपाहियों ने उन्हें उठाकर इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है।इस घटना के बाद से ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। पुलिस प्रशासन ने टोटो चालक की पहचान कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। इधर, घायल सिपाही के जल्द स्वस्थ होने की कामना की जा रही है।

ई रिक्शा से 478 पीस अंग्रेजी शराब बरामद

बीएनएम। बगहाः जिले के धनहा थाने की पुलिस ने शराब धंधेबाजों, असमाजिक तत्वों के विरुद्ध कडा रुख अख्तियार किया है। तथा लगातार वाहन जांच अभियान युद्ध स्तर पर शुरु कर दिया है। धनहा थाना पुलिस ने गौतमबुद्ध सेतु चौक पर वाहन जांच अभियान चला कर उत्तर प्रदेश से ई रिक्शा में छुपाकर लाई जा रही रही 478 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद किया है और ई रिक्शा को भी जब्त किया है। साथ ही रिक्शा पर सवार दो शराब तस्करों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस इन्स्पेक्टर सह धनहा थानाध्यक्ष धर्मवीर कुमार भारती ने बताया कि यूपी से आ रही एक ई रिक्शा की जांच किया गया। जिसमें 478 पीस अंग्रेजी शराब बरामद किया गया। शराब तस्कर की पहचान योगापट्टी थाना क्षेत्र के सिरिसिया गांव निवासी अजय कुमार एवं विकास कुमार के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार शराब धंधेबाजों के विरुद्ध बिहार उत्पाद अधिनियम के तहत आगे की कार्रवाई करते हुए न्यायिक हिरासत में बगहा भेजने की कवायद शुरू कर दी गई है। धनहा पुलिस की इस कार्रवाई से शराब धंधेबाजों, असमाजिक तत्वों में हडकंप मच गया है।

पूर्व सैनिकों ने मारे गये पर्यटकों को दी श्रद्धांजलि

बीएनएम। जमुई/झाझाः देश के सेवानिवृत्त सैनिकों की मासिक बैठक रविवार को पुरानी बाजार स्थित विजय सिंह के आवास पर आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पूर्व सैनिक बीके यादव ने किया। बैठक में पूर्व सैनिकों ने कहा कि देश की 140 करोड़ जनता आतंकवाद के खिलाफ सरकार के साथ है। अब सरकार को आतंकवाद को जड़ से खत्म करने की जरूरत है। वही बैठक में पूर्व सैनिकों ने कहा कि जमुई में केंटिंग की सुविधा जल्द मिल जाये इस पर भी चर्चा की गई। साथ ही साथ अगली बार होने वाली बैठक में संगठन को मजबूती और अन्य कई बिंदुओ पर चर्चा की जाएगी। बैठक में मौजूद पूर्व सैनिकों ने सबसे पहले पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों के ऊपर आतंकी हमले में जान गंवाने वाले पर्यटकों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए इस कायराना हमले पर आक्रोश व्यक्त किया।

पटना में स्कूली वाहनों में अब सीसीटीवी लगवाना अनिवार्य

» बच्चों की सुरक्षा को लेकर उठाया गया कदम
» बच्चों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं : आयुक्त

बीएनएम। पटना

पटना में बच्चों की सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन ने बड़े कदम उठाए हैं। अब स्कूली वाहनों में सीसीटीवी कैमरा लगवाना अनिवार्य कर दिया गया है। विशेष रूप से, 14 सीटों से अधिक क्षमता वाले सभी स्कूली वाहनों में सीसीटीवी कैमरा लगाना जरूरी होगा। इसके अलावा, सभी स्कूलों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने वाहन के सीसीटीवी फुटेज को 60 दिन तक संरक्षित रखें। यह जिम्मेदारी स्कूल प्रबंधन की होगी।प्रमंडलीय आयुक्त मयंक वरवडे ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि स्कूली वाहनों के लिए निर्धारित सुरक्षा मानकों का शत-प्रतिशत पालन होना चाहिए। साथ ही, स्कूली वाहनों की नियमित जांच की जाएगी, और यह जांच हर थाना क्षेत्र में की जाएगी। यदि किसी वाहन में सुरक्षा नियमों का उल्लंघन पाया गया, तो संबंधित वाहन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।यह नया नियम बच्चों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लागू किया गया है। पटना जिला प्रशासन ने पहले ही यह घोषणा की थी कि अब से स्कूली बच्चे इलेक्ट्रिक ऑटो से स्कूल नहीं आएंगे। इसके बाद अधिकांश स्कूलों ने बड़े वाहनों की व्यवस्था की है। अब, इन वाहनों में सीसीटीवी कैमरे की अनिवार्यता के साथ, स्कूली परिवहन के सुरक्षा मानकों को और भी मजबूत किया जाएगा।इस कदम से उम्मीद की जा रही है कि स्कूली वाहनों में सुरक्षा के मामले में कोई चूक नहीं होगी, और बच्चों की यात्रा सुरक्षित रहेगी।

बैठक में बूथ कमिटी के पुनर्गठन पर जोर

बीएनएम। लखीसराय

शहर के नया बाजार आर लाल कॉलेज स्थित अशोक सम्राट भवन परिसर में रविवार को जिला जदयू की एक बैठक आयोजित की गई। जिला अध्यक्ष रामानंद मंडल की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिला संगठन प्रभारी राजेश कुशवाहा विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान सभी प्रखंड अध्यक्ष, प्रकोष्ठों के जिला अध्यक्ष, सम्मानित नेता और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। बैठक का मुख्य एजेंडा बूथ कमिटी के पुनर्गठन और मजबूती को लेकर रहा। जिला अध्यक्ष रामानंद मंडल ने सभी प्रखंड अध्यक्षों और प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों से कहा कि बूथ स्तर पर संगठन को सशक्त करना बेहद जरूरी है। उन्होंने निर्देश दिया कि बूथ कमिटी को सुधार कर अगले 3-4 दिनों के भीतर जिला कार्यालय में संशोधित सूची जमा करें।जिला संगठन प्रभारी राजेश कुशवाहा ने कहा कि बूथ कमिटी संगठन की रीढ़ होती है। मजबूत और सक्रिय बूथ कमिटी के जरिए ही आगामी चुनावों में बेहतर परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। बैठक में कार्यकर्ताओं ने भी संगठन के मजबूतीकरण को लेकर सुझाव दिए।बैठक सकारात्मक माहौल में संपन्न हुई और सभी कार्यकर्ताओं ने संगठन के निर्देशों का पालन करने का संकल्प लिया।

समकालीन अभियान के तहत 13 आरोपी गिरफ्तार, दो शराब तस्कर, छह शराबी और पांच वारंटी शामिल

» एक बाइक और 198 लीटर देशी शराब भी जब्त

बीएनएम। तुरकौलिया

पुलिस ने समकालीन अभियान के तहत छापेमारी कर 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों में दो शराब तस्कर, छह शराबी और पांच कोर्ट वारंटी शामिल हैं। तस्करों के पास से एक बाइक और 198 लीटर देशी शराब भी जब्त की गई। गिरफ्तार आरोपियों में बेलघटी के राजेश कुमार दास, बेलवा मौजे के राजेश बैठा, जयसिंहपुर शंभु टोला के दिनेश कुमार, इजराफिल मियां, अशर्फी साह टोला के मुन्ना मालिक को शराब सेवन में पकड़ा गया है। ब्रेथ एनालाइजर से जांच में शराब पीने की पुष्टि हुई है। सभी शराब पीकर हल्ला हंगामा और लड़खड़ाते हुए चल रहे थे। मथुरापुर के मुहम्मद सोनू, वृत्ति टोला के भरोशी राम, जयसिंहपुर घोड़ा घाट के उदया सहनी, कवलपुर के जयकिशुन सहनी कोर्ट वारंटी थे। छापेमारी कर उन्हें पकड़ा गया। जबकि रविवार की दोपहर सोरही के मुन्नीलाल सहनी और बेचू टोला के शमी नवाज एक बाइक पर शराब लादकर कहीं से आ रहे थे। गुप्त सूचना पर पुलिस ने बिजुलपुर के पास छापेमारी की। बाइक पर लदे 112 लीटर देशी शराब के साथ दोनों को खदेड़ कर पकड़ा गया। बाइक भी जब्त की गई। इधर, सेमरा खास गांव में छापेमारी कर 86 लीटर देशी शराब बरामद हुई। शराब तस्कर कन्हाई भगत भाग निकला। उसके घर के आंगन से शराब मिली। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि गिरफ्तार शराबी और वारंटी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। जबकि पकड़े गए तस्कर पर एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया की जा रही है। वही सेमरा खास से बरामद शराब मामले में फरार तस्कर के गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

ऑपरेशन “यात्री सुरक्षा के तहत 07 महिलाओं को किया गिरफ्तार

» यात्री की चोरी सामग्री की हुई बरामदगी

बीएनएम। हाजीपुर

वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त सोनपुर अमिताभ द्वारा दिए गए निर्देश के अनुपालन में निरीक्षक प्रभारी साकेत कुमार के नेतृत्व में अधिकारी एवं बल सदस्य सभी रे०सु०बल / पोस्ट / हाजीपुर के द्वारा यात्री सुरक्षा एवं यात्री सामानों की चोरी की रोकथाम हेतु अपराधिक गतिविधि निगरानी के क्रम में हाजीपुर जंक्शन के प्लेटफॉर्म सं०- 02/03 पर स्थित दक्षिणी निर्माणाधीन एफ०ओ०बी० के पास 07 महिलाओ को संदिग्ध परिस्थिति में तेजी से भागने के क्रम में आरपीएफ द्वारा घेर कर आगे से रोका गया तथा पूछताछ की जा रही थी तभी एक यात्री चिल्लाते हुए दोड़कर पहुंचे और उक्त महिलाओं पर अपनी पत्नी के बैग से सामान तथा नकदी चुराने का आरोप लगाने लगा |पूछने पर उक्त पीड़ित शिकायतकर्ता ने अपना नाम व् पता अमरेन्द्र प्रताप सिंह पिता-उपेन्द्र कुमार सिंह ग्राम – बड़हरा बाबु थाना कप्तानगंज जिला कुशीनगर (उत्तर प्रदेश) बताया तथा गाड़ी संख्या 13106 से यात्रा के दौरान उक्त महिलाये द्वारा उनकी पत्नी के बैग से नकदी 5000/- रुपया तथा अन्य सामान चोरी किया जाना बताया | आगे आरपीएफ प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि पूछताछ के क्रम में उन सातो महिलाओं ने अपना नाम व पता रिंकू देवी उम्र 40 वर्ष पति शेर सिंह ग्राम बिहिया धरहरा थाना साहेब टोला बिहिया जिला आरा,आभा कुमारी उम्र 20 वर्ष पिता भैरो पता उपरोक्त , कंचन देवी उम्र 30 वर्ष पति मिंटू पता उपरोक्त , मंजनि देवी उम्र 30 वर्ष पति लखी शर्मा ग्राम सरैया थाना डुमराव जिला बक्सर जिसके साथ में एक बच्चा उम्र करीब 01 वर्ष ,अनूपा उम्र 23 वर्ष पति टेम्पो सिंह पता उपरोक्त रुपाली देवी उम्र 25 वर्ष पति शरद पता उपरोक्त जिसके साथ में एक बच्ची जिसका उम्र करीब 01 वर्ष भाकुर देवी उम्र 25 वर्ष पति ननजी खरवार पता उपरोक्त बताई |इसके उपरांत नियमानुसार मौके की समस्त विधिक कारवाई करते भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम में वर्णित नियमावली को ध्यान में रखते हुए पर्दानसीन जगह पर फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी करते हुए रोके गए सातों महिलाओ का महिला आरक्षी द्वारा तलाशी लिए जाने पर उल्लेखित व्यक्ति का चोरी किया गया नकदी 5000/- रूपया ,1500/- अतिरिक्त रुपया ,जरूरतमंद सामान ,कटर व् ब्लेड बरामद हुआ।बरामद उक्त सामान के बारे में पूछे जाने पर उसे चोरी कर अपने पास छुपाना बतायी | तत्पश्चात उक्त गिरफ्तार महिलाओं को पीड़ित यात्री के साथ राजकीय रेल पुलिस हाजीपुर को अग्रतर कारवाई हेतु सौंप दिया साथ हीं पीड़ित यात्री के द्वारा दिए गए प्राथिमिकी के आधार पर उन सभी सातो महिलाओं के विरुद्ध मामला पंजीकृत किया गया। बहरहाल आरपीएफ प्रभारी निरीक्षक साकेत कुमार द्वारा की गई कार्रवाई से अवांछित तत्वों में भय व हड़कंप व्याप्त है।

दिल दहला देने वाली घटनाः गायघाट में 20 वर्षीय छात्र की बेरहमी से हत्या

बीएनएम। मुजफ्फरपुर

जिले के गायघाट प्रखंड क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। 20 वर्षीय छात्र राजदीप की बेरहमी से गला रेतकर हत्या कर दी गई और उसका शव खेत में फेंक दिया गया। मृतक के परिवार का कहना है कि राजदीप घर से बाहर गया था, लेकिन उसके बाद वह लौटकर नहीं आया। चंद मिनटों में उसकी निर्मम हत्या कर दी गई। राजदीप बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर से स्नातक तृतीय वर्ष (फाइनल ईयर) का छात्र था। वह पढ़ाई के साथ-साथ घर की जिम्मेदारियों का भी निर्वहन कर रहा था। उसके पिता का साया पहले ही सिर से उठ चुका था और उसकी मां चाय की दुकान चला कर किसी तरह परिवार का पालन-पोषण कर रही थी। राजदीप अपनी तीन बहनों सोनाली, सोनम और काजल का एकमात्र सहारा था। घटना की जानकारी देते हुए मृतक की चाची पूजा कुमारी ने बताया कि दोपहर करीब 3 बजे तक राजदीप घर पर था। इसके बाद वह अचानक घर से निकला और फिर कभी वापस नहीं लौटा। घटना स्थल के पास ही थाना स्थित है, फिर भी दिनदहाड़े इस प्रकार की हत्या ने पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। राजदीप की हत्या के बाद गांव में आक्रोश का माहौल है और परिवार पूरी तरह से शोक में डूबा है। मृतक की बहनें — सोनाली, सोनम और काजल — अपने भाई की असमय मौत के बाद गहरे दुख में डूबी हुई हैं। उनका करुण क्रंदन, “केकरा हम राखी बांधब रे... ओ हमर जान भैया... उठ न...” हर किसी की आंखें नम कर रहा है। मामले की जांच अभी भी जारी है, लेकिन पुलिस द्वारा किसी की गिरफ्तारी नहीं की गई है। इस हत्या ने पूरे गांव में शोक और आक्रोश की लहर पैदा कर दी है। परिजनों ने शीघ्र न्याय दिलाने की मांग की है और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की अपील की है।

जनता दल यूनाइटेड ने निकाला

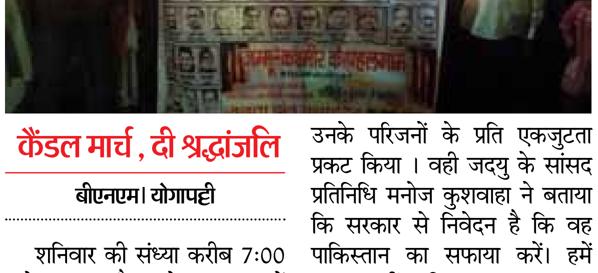

कैंडल मार्च , दी श्रद्धांजलि

बीएनएम। योगापट्टी

शनिवार की संध्या करीब 7:00 बजे 22 अप्रैल को पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के खिलाफ योगापट्टी प्रखंड क्षेत्र के थाना,प्रखंड समेत विभिन्न जगहों पर कैंडल मार्च निकाला गया, कैंडल मार्च का नेतृत्व जेडीयू के प्रखंड अध्यक्ष शंभू प्रसाद कुशवाहा ने किया ।श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए कहा कि पहलगाम मं पर्यटकों पर हुआ आतंकी हमले में 28 निर्दोष लोगों की मौत हुई है। कई गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इस जघन्य हमले की कड़ी निंदा की। मृतकों के प्रति गहरी संवेदन और उनके परिजनों के प्रति एकजुटता प्रकट किया । वही जदयु के सांसद प्रतिनिधि मनोज कुशवाहा ने बताया कि सरकार से निवेदन है कि वह पाकिस्तान का सफाया करें। हमें बदला नहीं पाकिस्तान का सफाया चाहिए और पाकिस्तान मुर्दाबाद का नारा लगाते हुए आगे बढ़े। मौके पर नगर पंचायत के वार्ड सदस्य धर्मनाथ कुमार राजू तिवारी,सुरेंद्र कुशवाहा,मनोज कुशवाहा,राजकुमार अंसारी चंदन पटेल महात्मा यादव अभिषेक सिंह हरएकेश प्रसाद राज दिनेश मिश्रा इसाक अंसारी, अशोक कुमार, जनार्दन पांडे, जोगिंदर बैठा, इंदल सिंह, राजकुमार चौधरी, सुनील गुप्ता, जयप्रकाश प्रसाद, प्रदीप कुशवाहा, संतोष शाह, ललन पंडित इत्यादि मौजूद रहे।

उमस भरी गर्मी में पौधे का भी रखे ख्याल, दें नियमित रूप से पानी

बीएनएम। जमुई/बरहट

गर्मी के मौसम में अपना तो ख्याल रखना ही होता है साथ में लगे पौधों की भी देखभाल भी करनी होती है। तेज धूप और गरम हवा से पौधे मुरझा जाते हैं। इससे हरियाली भी कम हो जाती है। उक्त बातें साईकिल यात्रा एक विचार जमुई के सक्रिय सदस्य सत्यम कुमार ने कहा। अपने नियमित रविवारीय यात्रा के 486वें रविवार को साईकिल यात्रा एक विचार, जमुई के सदस्यों का नौ सदस्यों का कारवां जमुई से चलकर बरहट प्रखंड के नरसौता ग्राम पहुंची जहां के दिलीप यादव और संजू देवी के निजी जमीन पर दो दर्जन पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सदस्य सचिराज पद्माकर ने कहा कि गर्मियों के मौसम में पौधों को एक दिन भी पानी न मिले तो पौधे मुरझा जाते है इसलिए इस मौसम में पौधों को रोजाना पानी देना चाहिए। इससे पौधे में हरियाली बनी रहेगी। सभी से अपील है कि अपने आस पास इस गर्मी में मुरझा रहे पौधे में नियमित रूप से पानी दें। इस अवसर पर गोलू कुमार, हर्ष कुमार सिन्हा, राकेश कुमार, शुभम सिंह, विवेक कुमार, सचिराज पद्माकर, पंकज कुमार, सत्यम कुमार, श्री राम राव, दिलीप यादव, सूरज कुमार राव, संजू देवी सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

बिहार सरकार खरीदेगी 16 बुलेट प्रूफ गाड़ियां, वीवीआईपी सुरक्षा को मिलेगा नया आयाम

बीएनएम। पटना

बिहार राज्य परिवहन विभाग जल्द ही 16 बुलेट प्रूफ गाड़ियों की खरीदारी करेगी, जो मुख्यमंत्री, राज्यपाल, उपमुख्यमंत्री और पुलिस विभाग के लिए विशेष रूप से बनाई जाएगी। इन गाड़ियों का इस्तेमाल केवल राज्य के वीवीआईपी व्यक्तियों द्वारा नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और सुरक्षा खतरे में रहने वाले अन्य व्यक्तियों द्वारा भी किया जाएगा। राज्य सरकार ने इसके लिए बजट जारी कर दिया है और इन गाड़ियों की कीमत एक करोड़ रुपये से ज्यादा अनुमानित की जा रही है।गाड़ियों का चयन इस प्रकार किया जाएगा कि वे पूरी तरह से बुलेट प्रूफ हों, जिससे इन पर एक-47 की गोलियां और बड़े धमाकों का असर न हो। इन गाड़ियों को गैस अटैक जैसे खतरों से भी सुरक्षा प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान की सुरक्षा में ये गाड़ियां सबसे पहले शामिल की जायेंगी।राज्य सरकार के पास वर्तमान में कुछ पुरानी बुलेट प्रूफ गाड़ियां हैं, जिनका मेंटेनेंस किया जाएगा। नई गाड़ियों का उद्देश्य वीवीआईपी काफिलों की सुरक्षा को और मजबूत करना है। साथ ही, एनएसजी सुरक्षा प्राप्त व्यक्तियों और नक्सली गतिविधियों के निशाने पर रहने वाले लोगों को भी इन गाड़ियों का उपयोग किया जाएगा।इस कदम से न केवल राज्य के अधिकारियों को सुरक्षा मिलेगी, बल्कि बिहार में आने वाले अन्य वीवीआईपी व्यक्तियों को भी उच्च सुरक्षा प्राप्त होगी।

पाकिस्तान बौखलाया हुआ

मुंबई में 26/11 के आतंकी हमले में मुख्य आरोपियों में से एक तहव्वुर राणा के अमेरिका से भारत में प्रत्यार्पित होने से पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। भारतीय एजेंसियां इस हमले से संबंधित सभी पहलुओं पर राणा से पूछताछ कर रही हैं। पूछताछ में हमले में पाकिस्तान की केंद्रीय भूमिका की पुख्ता जानकारी मिल सकती है। इस बीच, पाकिस्तान का कश्मीर को लेकर अनर्गल प्रलाप जारी है। पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष जनरल आसिम मुनीर ने इस्लामाबाद में पहले प्रवासी पाकिस्तानी सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि कश्मीर हमारे गले की नस थी, हमारे गले की नस रहेगी और हम इसे कभी नहीं भूलेंगे। जनरल मुनीर के इस बयान का भारतीय विदेश मंत्रालय ने कड़ा प्रतिवाद किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने दो टूक कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर (पीओके) भारत का अभिन्न अंग है। पाकिस्तान को उसे जल्द खाली करना पड़ेगा। लोगों को याद होगा कि पिछले महीने ही संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पार्वथानेनी हरीश ने साफ शब्दों में कहा था कि पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर के एक हिस्से को अवैध रूप से कब्जा कर रखा है जो उसे खाली करना पड़ेगा। इसके पहले भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी लंदन में एक समारोह में कहा था कि कश्मीर समस्या का समाधान जम्मू-कश्मीर के चुराए गए हिस्से की वापसी के बाद होगा, जो अवैध रूप से पाकिस्तान के कब्जे में है। पीओके पर केंद्र की वर्तमान मोदी सरकार का यह रुख निरंतर जारी है और अपनी गति पर है। यह बताता है कि पाकिस्तान के अवैध कब्जे से पीओके को भारत वापस लाने के लिए नई दिल्ली वैश्विक समर्थन जुटाने के लिए प्रयासरत है। यहां के नागरिक पाकिस्तानी सरकार और सेना के जुल्म से मुक्ति पाने के लिए आंदोलनरत हैं। वे भारत जैसे लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष देश के साथ रहना चाहते हैं। पाकिस्तान की पहचान एक ऐसे देश के रूप में बन गई है, जो आतंकवाद का केंद्र है। कोई भी सभ्य नागरिक ऐसे देश में रहना नहीं चाहता। इसीलिए वहां के नागरिक पीओके के भारत में विलय की मांग कर रहे हैं। उम्मीद है कि देर-सबेर उनका यह सपना पूरा होकर रहेगा।

सामुदायिक हिंसा का बढ़ता खतरा

प्रभुनाथ शुक्ल

भारत में हिन्दुओं पर सामुदायिक हिंसा की बढ़ती घटनाओं ने सरकार और देश की सुरक्षा व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। अपने ही देश में बहुसंख्य हिन्दू हिंसक घटनाओं का शिकार हो रहा है। वैसे सामुदायिक और नस्लीय हिंसा पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय है। लेकिन भारत के आसपास पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ हमले और हिंसा बढ़ गई हैं। नेपाल जैसे देश में भी रामनवमी जुलूस पर हिंसा को अंजाम दिया गया। भारत के पड़ोसी इस्लामिक देश में हिन्दुओं की स्थिति बद से बदतर है, जबकि ये कभी भारत के हिस्सा थे। यहाँ हिन्दुओं पर लगातार धार्मिक उत्पीड़न और हिंसा की घटनाएं भारत की चिंता को बढ़ा दिया है। आतंकवाद से लड़ रहे भारत के सामने सामुदायिक हिंसा की घटनाएं बड़ी चुनौती बन रहीं हैं। सबसे अहम मुद्दा यह है कि अपने देश में ही हिन्दू बाहुल्य होने के बाद भी वह सामुदायिक हिंसा का शिकार बन रहा है। जबकिचीन में उइगर मुसमानों का दमन किसीसे छुपा नहीं है, लेकिन चीन के खिलाफ पाकिस्तान, बांग्लादेश खामोश हैं। कश्मीर के पहलगाम में हुआ नरसंहार इसका ताज़ा उदाहरण है। भारत में इस तरह की हिंसा के पीछे वोट बैंक के लिए राजनीतिक तुष्टिकरण सबसे बड़ी समस्या है। भारत में हिन्दुओं पर हिंसक हमले इस्लामिक आतंकवाद की एक सोची समझी रणनीति है। पाकिस्तान, बांग्लादेश में हिंदुओं का सफाया हो रहा है, जबकि अफगानिस्तान में हिन्दुओं की आबादी गिनती पर आ गईं है। भारत में इस तरह के सामुदायिक और धार्मिक दंगे भड़काने के लिए पाकिस्तान मूल रूप से जिम्मेदार है। लेकिन हम इस तरह की बात कर अपनी जिम्मेदारी से बच भी नहीं सकते हैं। भारत इस्लामिक आतंकवाद से तो हमेशा से पीड़ित रहा है। लेकिन हाल के वर्षों में राजनैतिक कारणों और उसके फैसलों से देश में सामुदायिक हिंसा, प्रदर्शन और पत्थरबाजी की घटनाएं बढ़ गईं हैं। दोनों समुदायों में एक दूसरे के प्रति नफरत और डर का माहौल पैदा हुआ है। इस तरह की सामुदायिक हिंसा के पीछे सामाजिक, आर्थिक, राजनीति, सोशलमीडिया और धार्मिक कारण मुख्य हैं, जिसकी वजह से ऐसी घटनाएं देश के धार्मिक और सांप्रदायिक तानेबाने को विभाजित करती दिखती हैं। जम्मू -कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को पाकिस्तानी आतंकवादियों ने जिस तरह निर्दोष पर्यटकों का नरसंहार किया, वह मानवता के खिलाफ है। इस हिंसा में 26 लोगों की मौत हुई और कई घायल हुए। आतंकवादियों ने सिर्फ हिन्दुओं को निशाना बनाया और उनका धर्म पूछ कर उन्हें गोली मारीं । हालांकि की कश्मीर में इस नरसंहार को लेकर काफी गुस्सा देखा जा रहा है। इस बात पर भी गुस्सा है कि हमले में सिर्फ हिन्दू मारे गए। लोगों का कहना है कि पर्यटकों की जान बचाने के लिए एक मुस्लिम भी मारा गया। अब पूरा कश्मीर पीड़ित परिवारों के साथ है। देश के कई हिस्सों में मुस्लिम संस्थाओं ने प्रदर्शन कर पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी भी की है। इस साजिश के पीछे हाल में पाकिस्तान आर्मी चीफ जनरल कियानी की तरफ दिया गया वह उकसाऊ बयान भी अहम माना जा रहा है, जिसमें उन्होंने भारत व हिन्दुओं के खिलाफ भड़काने वाला बयान दिया था। कियानी के बयान के ठीक कुछ दिन बात पहलगाम में आतंकी हमला हुआ है, जिसमें पर्यटकों का धर्म पूँछ कर नरसंहार किया गया। यह पाकिस्तान की सोची समझी रणनीति है, क्योंकि वह भारत से सीधी जंग में कभी नहीं जीत सकता है। ऐसी स्थिति में वह हिन्दुओं को निशाना बनाकर भारतीय मुसलमानों का मसीहा बनना चाहता है। खैबर पख्तून में बलोच आर्मी की तरफ से किए ट्रेन हाईजैक के पीछे वह भारत का हाथ मानता है। जिसकी वजह से वह बौखलाया था और बदले के लिए बेताब था। उधर कश्मीर में धारा 370 खत्म होने के बाद कश्मीर आहिस्ता-आहिस्ता विकास की मुख्यधारा में लौट रहा है। आतंकी घटनाएं कम हुईं हैं। पर्यटकों की आमद बढ़ने लगी है। सेबों की खेती लहलाहने लगी है। यह सब देख पाकिस्तानी फ़ौज में बौखलाहट है जिसकी वजह से वह इस तरह की सामुदायिक हिंसा की साजिश रच रहा है। कश्मीर में सामुदायिक हिंसा की यह पहली घटना नहीं है। आतंकवादियों ने पुलवामा जैसी घटनाओं को अंजाम दिया है। कश्मीर में साल 2019 के बाद धारा 370 लागू होने के बाद यह पहली सबसे बड़ी आतंकी नरसंहार की घटना है। दूसरा अहम कारण ये कि कश्मीर के राजनैतिक और अलगाववादी कभी शान्ति और विकास नहीं चाहते हैं। क्योंकि धारा 370 खत्म होने के बाद उनकी तमाम स्वतंत्रता जहाँ बाधित हुईं, वहीं आर्थिक नुकसान हुआ है। वहां के राजनेताओं और अलगाववादियों का पाकिस्तान प्रेम दुनिया में जगजाहिर है। इसके बावजूद धारा 370 का खात्मा, तीन तलाक कानून और वक्फ संशोधन जैसे राजनैतिक फैसले इस आग में घी का काम किया है। हालांकि यह आम मुसलमानों और कश्मीरियों की सोच नहीं है। यह सिर्फ अलगावादियों की सोच है। इस घटना में केंद्र और राज्य सरकार अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकतीं। जब वहां काफी तादात में पर्यटकों की आमद हो रहीं थी तो पर्यटकों की सुरक्षा के लिए सेना और राज्य पुलिस के जवानों की तैनाती क्यों नहीं की गईं। कियानी के विभाजनकारी संदेश को हमारी सरकार, ख़ुफ़िया एजेंसिया और सुरक्षा एजेंसिया नहीं समझ पाईं। ऐसे संवेदनशील पर्यटक स्थलों

पर सुरक्षा के सख्त इंतजाम होने चाहिए थे। राज्य में इस तरह की घटनाएं पर्यटन उद्योग और उसकी संभावनाओं पर पानी फेरती हैं। हम अपनी चूक और नाकामियों से नहीं बच सकते। यह गंभीर मंथन का विषय है। कश्मीर के पर्यटन स्थलों पर हमें सुरक्षा व्यवस्था को सख्त रखना होगा। भविष्य में ऐसी स्थिति से बचने के लिए वहां सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने होंगे। यह हमला भारत की आत्मा पर है यह राजनीति का वक्त नहीं है। सारा देश गुस्से में है। रणनीति बनाकर पाकिस्तान और आतंकवाद को सबक सिखाने की जरूरत है। कश्मीर के पूर्व बंगाल के मुर्शिदाबाद में वक्फ संशोधन कानून के विरोध में हिन्दुओं को जिस तरह निशाना बनाया गया, वह किसी से छुपा नहीं है। इसके अलावा रामनवमी जुलूस पर महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश भी सुनियोजित तरीके से हिन्दुओं पर हमले हुए। उत्तर प्रदेश में संभल किसी से छुपा नहीं है। वहां किस तरह हिन्दुओं का उत्पीड़न हुआ, उसे कौन नहीं जानता। हिंसक हमलों में उनकी संपत्तियों और मंदिरों को नष्ट किया गया। पश्चिम बंगाल राज्य में हिन्दुओं को पलायित होना पड़ा। पीड़ित हिन्दू बंगाल पुलिस की मदत के लिए चिल्लाते रहे, लेकिन कोई सुरक्षा नहीं मिली। बाद में बंगाल उच्च न्यायालय के आदेश के बाद हिंसा प्रभावित इलाके में केंद्रीय बल पंहुचा। यही हाल बांग्लादेश का है। भारत ने पाकिस्तान से अलग कराया उसी बांग्लादेश में पाकिस्तान की सह पर अतिवाद पांव पसार रहा है। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद हिन्दुओं के घरों, व्यवसायों और मंदिरों पर बड़े पैमाने पर हमले हुए। यूएन की एक रिपोर्ट में बताया गया कि हिन्दुओं को लक्षित कर हमले किए, जिसमें 1400 लोगों की मौत हुईं। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि बांग्लादेश में साल 2024 की हिंदुओं के खिलाफ 2200 हिंसक घटनाएं दर्ज की गईं। भारत -पाकिस्तान के विभाजन के बाद पाकिस्तान में हिन्दुओं की आबादी 23 फीसदी थी, अब 3.7 फीसदी रह गईं। लगातार वहां हिंदुओं की आबादी घट रहीं है। हालांकि भारत में मुसलमानों के खिलाफ कुछ लिंचिंग की घटनाएं हुईं, लेकिन जैसा हिन्दुस्थान में हिन्दुओं के साथ हो रहा है, वैसा नहीं हुआ। वैसे अमेरिका में भी हिन्दुओं और सिखों के खिलाफ नस्लीय हिंसा हुईं है। हिंदुओं के मंदिरों को भी निशाना बनाया गया है। नस्लीय टिप्पणीयां हुईं हैं, लेकिन पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसी नहीं। हमें इस तरह की सामुदायिक हिंसा से बचना होगा। राजनैतिक लाभ लेने के लिए देश को हिंदू -मुसलमान में बांटना ठीक नहीं। इससे देश की एकता, अखंडता कमजोर होगी। साम्प्रदायिक हिंसा को किसी भी तरीके का राजनैतिक संरक्षण नहीं मिलाना चाहिए। नफ़रती बयानबाजी और सोशलमीडिया पर फ़ैलते भड़काऊ वीडियो और संदेश पर कड़ाई से प्रतिबन्ध लागू होना चाहिए। देश, संसद और उसकी संवैधानिक संस्थाएं जाति, धर्म और समुदाय से सर्वोपरि हैं। हमें उनका सम्मान करना होगा। हमें किसी कानून या बिल से असहमति है तो देश में अदालत और कानून भी है। हिंसा और अपनी ताकत दिखाने के बजाय हमें ऐसी संस्थाओ का सम्मान करना होगा। हमारे लिए देश सर्वोपरि है।

सूडोकु नवताल- 7414

✱✫✫✫✫ सरल

5	9		1		2		3	8
			4		5			
2								5
		3		5		4	8	
	7						1	
	5	8		6		9		
8								1
			2		9			
3	4		6		7		5	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7413 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

फर्जी चिकित्सा के दुष्परिणाम साझा किए जाएं

कुमार समीर

स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में अनियमितताएं किस तरह बेलगाम हो गई हैं, इसका ताजा उदाहरण दमोह के फर्जी डॉक्टर का मामला है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर, किस तरह प्रशासन की आंखों में धूल झोंक कर मध्य प्रदेश के दमोह जिले का यह फर्जी कार्डियोलॉजिस्ट 'डॉक्टर एन जॉन कैम सालों से लाचार, परेशान, मुसीबतों के मारे मरीजों का ईलाज कर रहा था? आरोपी 'डाक्टर का दुस्साहस देखिए कि उसने अपना असली नाम छिपा कर मेडिकल कम्युनिटी में अपनी अलग पहचान बनाने के लिए विदेशी नाम रखा था। दमोह जिले के मिशन अस्पताल में आरोपी डाक्टर का नाम डॉक्टर एन जॉन कैम दर्ज था जबकि उसका असली नाम नरेंद्र विक्रमादित्य यादव है। पूछताछ में आरोपी ने खुद को अविवाहित बताया है जबकि उसके फर्जी दस्तावेज में पत्नी और बच्चों के फेक नाम लिखे हुए हैं। आरोपी का मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ ऐसे ही बेरोकटोक चलता रहता अगर इसके द्वारा की गई 15 लोगों की हार्ट सर्जरी के दौरान सात लोगों की जान नहीं चली गई होती। इस फर्जी डाक्टर की पहुंच, पहचान कितनी तगड़ी थी, इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि 15 लोगों के हार्ट की सर्जरी करने वाले डॉक्टर ने 2006 में एक निजी अस्पताल में छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद शुक्ला की सर्जरी भी की थी, जिसके बाद उनकी मौत हो गई थी। इसका दावा उनके बेटे ने किया है। आखिर, इस तरह के लोगों की भनक तक प्रशासन, स्वास्थ्य महकमे को क्यों नहीं लगती। आश्चर्य तो यह है कि ऐसे ज्यादातर मामलों का खुलासा तब होता है जब इनके कारनामे से बड़ा नुकसान हो जाता है। दरअसल, स्वास्थ्य सेवाओं के गोरखधंधे में कई चीजें शामिल हो गई हैं, जैसे कि स्वास्थ्य संबंधी धोखाधड़ी, बैंकिंग धोखाधड़ी, नकली दवाएं और अनियमित पैथोलॉजी लैब्स। स्वास्थ्य संबंधी धोखाधड़ी में ऐसे उत्पादों या सेवाओं का दावा करना शामिल है, जो बीमारियों को ठीक करने या रोकने का वादा करते हैं, लेकिन वे सुरक्षित या प्रभावी नहीं होते। बैंकिंग धोखाधड़ी में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में धोखाधड़ीपूर्ण गतिविधियों द्वारा धन या सेवाएं प्राप्त करना शामिल है, जैसे कि झूठे दावे प्रस्तुत करना या अधिक बिलिंग करना। नकली दवाएं और अनियमित पैथोलॉजी लैब्स भी स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में गोरखधंधे के उदाहरण हैं। फर्जी चिकित्सक नकली दवाओं के साथ-साथ जांच भी फर्जी कर रहे हैं। इसके लिए एक मशीन रख ली है, जिस पर हाथ रख कर ही 55 जांच करने का दावा कर रहे हैं। कई लोगों को इतना बीमार बता दिया जाता है कि वे सदमे में आ जाते हैं। लैब से जांच कराई तो सारी जांच गलत निकलती है। बताते चलें कि क्वांटम रेजोनेंस बॉडी हेल्थ एनालाइजर नामक मशीन जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में अप्रशिक्षित फर्जी चिकित्सकों द्वारा खूब इस्तेमाल की जा रही है। यह मशीन ऑनलाइन प्लेटफार्म पर मात्र दस से 12 हजार रु पये में मिल रही है। दावा किया जा रहा है कि मशीन में शरीर की 55 जांच महज कुछ मिनटों में हाथ रखने से ही हो जाती है। जांच के नाम पर लोग पैसे तो दे ही रहे हैं, साथ ही अप्रशिक्षित चिकित्सक जांच के आधार पर इलाज तक दे रहे हैं। बिना डिग्री व बिना पंजीकरण वाले डाक्टरों पर अंकुश लगाना सबसे जरूरी है और इसके लिए सबसे पहले बनाना होगा नेशनल मेडिकल पोर्टल। जागरूकता अभियान चलाना चाहिए। फर्जी डॉक्टरों पर अंकुश लगाने के लिए केवल नियम-कानून बना देने से काम नहीं चलेगा, बल्कि जनता को ऐसे डॉक्टरों के बारे में सचेत भी करना होगा। आम जन को बताया जाना चाहिए नकली डॉक्टर के खिलाफ शिकायत कहां करें? मेडिकल काउंसिल को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। बिना डिग्री या रजिस्ट्रेशन वाले फर्जी डॉक्टरों पर अंकुश लगाने के लिए सरकार को सख्त कानून लागू करने चाहिए। भारत में झोलाछाप डॉक्टर के लिए दी जाने वाली सजा पर फिर से गौर करना चाहिए। गौरतलब है कि झोलाछाप डॉक्टरों को धारा 15(4) धारा 15(2) के उल्लंघन के लिए दंड निर्धारित करती है। भारतीय चिकित्सा परिषद अधिनियम, 1956 की धारा 15(3) में प्रावधान है कि उल्लंघन के परिणामस्वरूप एक वर्ष का कारावास या 1,000 रु पये का जुर्माना होगा। इसे और सख्त और कड़ा बनाने की जरूरत है। स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग को नियमित जांच और निगरानी करनी चाहिए। मीडिया और सोशल प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से फर्जी चिकित्सा के दुष्परिणाम साझा किए जाएं। मेडिकल काउंसिल को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए और दोषियों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए।

आज का राशिफल

मेष राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आपके आस-पास सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे। आप किसी बड़े बिजनेस ग्रुप से साझेदारी करने पर विचार करेंगे। आज आपको उम्मीद से ज्यादा धन लाभ होने वाला है। कला से जुड़े लोगों का समाज में मान सम्मान बढ़ेगा, आपकी क्रिएटिविटी की लोग सराहना करेंगे।

वृष राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपके व्यापार में अच्छा लाभ होगा। नवविवाहित दंपत्ति के बीच आज मीठी नोकझोंक होगी, इससे रिश्तों में और मिठास आएगा। आज पैसों के लेन-देन में सावधानी बरतें। नौकरी कर रहे लोगों को आज अपना काम पूरा करने के लिए थोडा अधिक मेहनत करने की जरूरत है।

मिथुन राशिः आज आपमें एक नई उमंग और खुशी रहेगी। आज आप जो भी काम करेंगे वह पूरे मन से करेंगे। आज आपको नए-नए अनुभव मिलेंगे। मानसिक उलझन का निवारण होगा, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आपका सामाजिक दायरा और आपका सम्मान बढ़ेगा। आज आपको किसी प्रकार के कोर्ट कचहरी के मामले में पड़ने से बचना चाहिए।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए है, लेकिन पढ़ाई में और मेहनत करने की जरूरत है। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। ऑफिस में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा, जूनियर आपसे काम सिखाना चाहेंगे। लवमेट के साथ रिश्तों में सुधार आएगा।

सिंह राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको घर के बड़ों से कुछ प्रेरणा मिलोगी। आज आप जो भी काम करेंगे, वो सफल होगा। आज आपका स्वास्थ्य पहले से उत्तम रहेगा। रिश्तेदार आज आपको बिजनेस को बढ़ाने के लिए सुझाव देंगे। समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। बड़े-बुजुर्ग आपके व्यवहार से प्रसन्न रहेंगे, लोग आपकी वाह-वाही करेंगे।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। आज काम व पारिवारिक रिश्तों के बीच सामंजस्य बनाये रखेंगे। आज किसी काम को पूरा करने के लिए नए तरीकों पर विचार करेंगे। व्यवसाय कर रहे लोग व्यवसाय को आगे बढ़ाने में कामयाब होंगे। आज जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा।

तुला राशिः आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। व्यापार में रुकी हुई योजनाओं को शुरू करने से आपकी व्यस्तता बढ़ी रहेगी। नौकरी कर रहे लोगों को आज दिए गए कार्यों को समय पर पूरा करना होगा, नहीं तो सीनियर से डांट भी खानी पड़ सकती है। लवमेट के साथ लॉन्ग ड्राइव पर जाएंगे तो एक-दूसरे को और अधिक जानने का मौका मिलेगा।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज बेवजह की उलझन से दूर होकर आप किसी मंदिर या धार्मिक स्थल पर समय बिताएंगे। यात्रा पर जाने के योग बन रहे हैं, यात्रा आपके लिए सुखद रहेगी। आज आप अपने खाली समय में अपनी अच्छाइयों और कमियों के बारे में विचार करेंगे।

धनु राशिः आज का दिन खुशियों का नया रास्ता दिखायेगा। परिवार वालों के साथ घूमने का प्लान बनाएंगे। पारिवारिक सुख सुविधा का लाभ मिलेगा। आप किसी राजनेता से सम्पर्क करेंगे। फुल कॉन्फिडेंस से अपने सभी रुके कामों को गति देंगे, अपनी योजना में जोड़ने के लिए आपको अन्य सहयोगियों की जरूरत पड़ सकती है। आज आप भक्तिमय रहेंगे, किसी प्रकार की अध्यात्मिक किताब पढ़कर समय व्यतीत करेंगे।

मकर राशिः आज का दिन बहुत बढ़िया रहेगा। आपको सब्र रखना होगा जिससे आप नई ऊंचाईयों कों छुएंगे। ऑटो-मोबाइल के व्यापार में आपको लाभ मिलेगा। आप को नई धार्मिक जगह का सुख प्राप्त होगा। आप अपने दोस्तों या सहयोगियों के साथ किसी टूर पर जाएंगे। प्रशासनिक सेवाओं से जुड़े लोगों से आप लाभ की प्राप्ति करेंगे। आपके सगे सम्बन्धियों से मेल-जोल बढ़ेगा।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप किसी व्यक्ति की मदद करेंगे जिससे पूरा दिन आपके अंदर पॉजिटीविटी बनी रहेगी। आज आप जिस भी काम की शुरुआत करेंगे वह समय से पूरा हो जाएगा। आज अपने नजदीकी रिश्तों को सुधारने की कोशिश करेंगे, आपको सफलता मिलेगी। आज ऑफिस में आपके काम की तारीफ होगी। संतान के करियर को लेकर आप किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह लेंगे।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आप माता को कुछ गिफ्ट दे सकते है आपकी माता को ख़ुशी होगी। आज आपका रुका हुआ काम पूरा होगा। आज आप बोलने के बजाए सुनने पर ज्यादा ध्यान दें। कुछ लोग आपकी बात से प्रभावित होकर आपसे बातचीत करना चाहेंगे।

कांग्रेस में निष्क्रिय नेताओं की संख्या बहुत बड़ी

अजय तिवारी

कांग्रेस को कसक है कि उसके पूर्व अध्यक्षों महात्मा गांधी और सरदार पटेल का राजनीतिक फायदा भाजपा उठा रही है। गुजरात के अहमदाबाद अधिवेशन के जरिए पार्टी ने अपने कार्यकर्ताओं को यह संदेश भी दिया कि आगे कांग्रेस के इन दोनों नेताओं का फायदा राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को नहीं उठाने देना है। अहमदाबाद अधिवेशन का एक मकसद 2027 के गुजरात चुनाव के लिए कांग्रेस को तैयार करना भी था। यही वजह है कि अधिवेशन में गुजरात पर अलग से प्रस्ताव भी लाया गया। प्रस्ताव में गुजरातियों को कुपोषण, नशा, बेरोजगारी से मुक्ति के सपने दिखाए गए हैं। जातिगत जनगणना और पचास प्रतिशत से अधिक आरक्षण देने का भी वादा किया गया है। किसानों को एमएसपी की कानूनी गारंटी का वादा है। अधिवेशन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकाजरुन खरगे ने स्पष्ट कर दिया कि निष्क्रिय और काम नहीं करने वाले नेताओं को रिटायर किया जाएगा। यह राहुल गांधी की ही लाइन है। पहली गाज जिला अध्यक्षों पर गिरेगी। इसकी शुरुआत गुजरात से की जा रही है। गुजरात में इस काम के लिए 42 केंद्रीय पर्यवेक्षक और 182 प्रदेश पर्यवेक्षक बनाए गए हैं। राहुल गांधी ने रह कर नये जिला अध्यक्ष बनाने की पूरी प्रक्रिया खुद समझाई। पार्टी ने महसूस किया है कि जिला और बूथ स्तर पर कमजोरियों की वजह से ही वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा को शिकस्त नहीं दे पाती है। अहमदाबाद अधिवेशन का बड़ा मकसद पार्टी को जिला और बूथ स्तर पर मजबूत बनाना ही है। राहुल के शब्दों में पार्टी की नींव मजबूत किए जाने की जरूरत है यानी वह भी मान रहे हैं कि पार्टी की नींव हिल गई है। दरअसल, 300 से ज्यादा जिला अध्यक्षों के साथ कांग्रेस अध्यक्ष खरगे और राहुल गांधी ने अधिवेशन से पहले चर्चा की थी। उन्हें बताया गया था कि उम्मीदवारों के चयन में उनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका रहेगी लेकिन खराब प्रदर्शन पर उन्हें हटाया भी जाएगा। संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल खुद कहते हैं कि जिला अध्यक्षों के साथ ऐसी बैठक 20 साल बाद हुई है। अहमदाबाद अधिवेशन इस बात के लिए भी याद रखा जाएगा कि यह काफी व्यवस्थित था। इसमें शामिल होने के लिए पहुंचे नेताओं को आयोजन स्थल पर प्रवेश से लगा कर भोजन और ठहरने में किसी तरह की दिक्कत नहीं हुई। ऐसी दिक्कतें कांग्रेस के आयोजनों में आम बात होती है क्योंकि वहां प्रायः जवाबदेही का अभाव रहता है। कांग्रेस के दिल्ली, उदयपुर और रायपुर के आयोजन शिकायतों से भरे रहे थे और ये शिकायतें कांग्रेस अध्यक्ष के पास तक भी पहुंची थीं। यहां तक कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में कन्याकुमारी और श्रीनगर में भी इंतजामों की कमी थी। अहमदाबाद अधिवेशन में दूसरे राज्यों से पहुंचे नेता यह देखकर चकित थे कि भाजपाशासित राज्य में पुलिस का रवैया बेहद सहयोगात्मक था। कार्यसमिति बैठक स्थल सरदार पटेल स्मारक, प्रार्थना सभा स्थल साबरमती आश्रम और अधिवेशन स्थल साबरमती रिबरफ्रंट या विमानतल-रेलवे स्टेशन पर किसी कांग्रेस नेता या पत्रकार को पुलिस ने रोका हो ऐसी घटना सामने नहीं आई। अहमदाबाद में कांग्रेस नेता खरगे-राहुल के सड़क किनारे बड़ी संख्या में होर्डिग्स लगे देख कर भी बाहर से आए नेताओं को आश्चर्य

हुआ कि भाजपा की नगर निगम ने इन्हें आयोजन संपन्न होने तक नहीं हटाया! दक्षिण की राजनीति को प्रभावित कर रहे परिसीमन का कांग्रेस के प्रस्ताव में जिक्र नहीं होना वहां के नेताओं को अच्छा नहीं लगा। पचास करोड़ श्रमिकों को प्रभावित करने वाले लेबर कोड को भी प्रस्ताव में जगह नहीं देने से श्रमिक वर्ग में अच्छा संदेश नहीं गया है। प्रस्ताव में एमएसपी की कानूनी गारंटी और किसान आंदोलन को दबाए जाने का जिक्र है लेकिन किसानों को खदड़ने वाली पंजाब की आप सरकार की आलोचना नहीं करने से इस चर्चा को बल मिला है कि गुजरात में केजरीवाल से फिर हाथ मिलाया जा सकता है। पंजाब की आप सरकार ने एक साल पुराने किसान आंदोलन को बलपूर्वक कुचल दिया था और किसानों को जेल में डाल दिया था। अधिवेशन में इस पर गंभीरता से चर्चा नहीं हुई, प्रस्ताव में भी सिर्फ जिक्र भर है। अधिवेशन में नेता और कार्यकर्ता के बीच पैदा हो गई दूरी को कम करने पर भी विचार नहीं किया गया। पार्टी सरकार में नहीं है फिर भी पदाधिकारी और नेताओं का मिलना तो दूर उनके दर्शन तक दुर्लभ हैं। कांग्रेस के नेता ही नहीं प्रवक्ता भी अहंकारी हो गए हैं, यह बात हाई कमान को दिखाई नहीं देती। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे हों या राहुल उनके यहां से अब कार्यकर्ताओं को पत्रों के जवाब नहीं मिलते। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में अनुसूचित जाति के कार्यकारी अध्यक्ष ने भूमाफिया के दबाव में पिछले साल आत्महत्या कर ली थी, जब आत्महत्या पूर्व लिखे गए पत्र के आधार पर एफआईआर नहीं हुई तो उनकी बेटी ने मदद के लिए खरगे, राहुल, प्रियंका को पत्र लिखे। इस मामले में उसे डेढ़ महीने बाद भी किसी का जवाब नहीं मिला। इस पत्र में उसने यह भी लिख दिया था कि जब कांग्रेस अनुसूचित जाति के अपने कार्यकर्ता के परिवार को न्याय नहीं दिलाती है तो जय बापू-जय भीम-जय संविधान का नारा कैसे लगाती है! कांग्रेस के सबसे पुराने संगठन सेवादल में असंतोष का विषय भी है, इसे भी हाई कमान नजरंदाज किए हुए है। सेवादल के प्रमुख गुजरात से ही आते हैं,अच्छा होता कि खरगे-राहुल अधिवेशन के दौरान ही इस असंतोष को दूर कर देते। कांग्रेस में कहा जा रहा है कि जब प्रदर्शन और जवाबदेही के आधार पर जिला और ब्लॉक अध्यक्ष बनाए जाएंगे तो पार्टी पर क्षत्रपों का दखल कम होगा। राहुल क्षत्रपों की गुटबाजी को इसी फामरूले से खत्म करना चाहते हैं। हालांकि इस फार्मले पर अमल कैसे होगा, इसको लेकर पार्टी के भीतर काफी सवाल हैं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग ने न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर को किया रोशन

गुरुग्राम (हरियाणा)। ग्लोबल इंडियन-प्रवासी कबड्डी लीग (जीआई-पीकेएल) भारत और दुनिया भर में लोकप्रियता हासिल कर रही है। रविवार को न्यूयॉर्क के प्रतिष्ठित टाइम्स स्क्वायर पर एक डिजिटल कैंपेन के जरिए भारत के पारंपरिक खेल कबड्डी को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया गया। यह ऐतिहासिक कदम भारतीय कबड्डी के लिए एक बड़ी छलांग साबित हुआ, जिसने न केवल इस खेल की वैश्विक अपील को उजागर किया, बल्कि लीग के सीमाओं से परे दर्शकों से जुड़ने के प्रयासों को भी रेखांकित किया। टाइम्स स्क्वायर पर कबड्डी की यह भव्य उपस्थिति भारत के स्वदेशी खेल की दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल मंचों में से एक पर शानदार प्रस्तुति का प्रतीक बनी। अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी जीआई-पीकेएल में अपने अनुभव का आनंद ले रहे हैं, जो दुनिया भर में कबड्डी की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है। केन्या की आइरीन एटिएनो ओटिएनो, जो जीआई-पीकेएल में हरियाणवी ईगल्स टीम का हिस्सा हैं, ने कहा, "मेरा अनुभव बहुत सीखने वाला रहा है, क्योंकि मुझे लगा था कि मैं कबड्डी के सभी नियम जानती हूं। लेकिन यहां आकर मुझे एक और अधिक पेशेवर तरीके से कबड्डी खेलना सीखने को मिला। मैं बहुत विनम्र महसूस कर रही हूं।" हंगरी की जीता कोर्बर ने कहा, "मैं इस अनुभव का बहुत आनंद ले रही हूं। मेरे देश (हंगरी) के लोग मानते हैं कि मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि जीआई-पीकेएल में खेल रही हूं, और वे पूरे टूर्नामेंट के दौरान मेरा समर्थन कर रहे हैं।" जीआई-पीकेएल के प्रति प्रतिक्रिया पर बात

करते हुए होलिस्टिक इंटरनेशनल प्रवासी स्पोर्ट्स एसोसिएशन की अध्यक्ष कांति डी. सुरेश ने कहा, "टाइम्स स्क्वायर पर कबड्डी को देखना हम सभी के लिए गर्व का क्षण है। यह हमारे इस विश्वास को और मजबूत करता है कि कबड्डी अब वैश्विक मंच के लिए तैयार है। हम बेहद रोमांचित हैं कि दुनिया हमारे खेल को इतने उत्साह के साथ अपना रही है।" इस महीने की शुरुआत में, जीआई-पीकेएल के आगाज से पहले दिल्ली-एनसीआर, बरेली, लखनऊ, देहरादून, गोरखपुर, हैदराबाद और मुंबई जैसे प्रमुख शहरों में 30 से अधिक प्रमुख होर्डिंग्स लगाए गए थे, जिसने ग्लोबल इंडियन-प्रवासी कबड्डी लीग के लिए एक भव्य दृश्य प्रस्तुत किया। इस बीच, लीग अब अपने निर्णायक चरण की ओर बढ़ रही है, जहां पंजाबी टाइगर्स, मराठी वल्चर्स, तमिल लायंस और भोजपुरी लेपर्ड्स ने शनिवार को गुरुग्राम विश्वविद्यालय में पुरुष वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। पहला सेमीफाइनल सोमवार को शाम 7:00 बजे मराठी वल्चर्स और पंजाबी टाइगर्स के बीच खेला जाएगा, जबकि दूसरा सेमीफाइनल तमिल लायंस और भोजपुरी लेपर्ड्स के बीच होगा। फाइनल मुकाबला 30 अप्रैल को निर्धारित है। महिला वर्ग में मुकाबले रविवार से फिर शुरू होंगे। शाम 6:00 बजे पंजाबी टाइग्रेस बनाम मराठी फाल्कन्स के बीच भिड़ंत होगी, इसके बाद 7:00 बजे तेलुगू चीता बनाम हरियाणवी ईगल्स का मुकाबला होगा। दिन का समापन 8:00 बजे भोजपुरी लेपर्डेस और तमिल लायनेस के बीच मैच के साथ होगा, जिसके साथ महिला लीग चरण का समापन होगा।

डब्ल्यूटीटी कंटेंडर ट्यूनिशिया 2025: मानुष शाह और दीया चितले ने जीता मिक्स्ड डबल्स का खिताब

नई दिल्ली। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों मानुष शाह और दीया चितले ने शनिवार को ट्यूनिशिया में खेले गए डब्ल्यूटीटी कंटेंडर 2025 टूर्नामेंट में मिक्स्ड डबल्स खिताब अपने नाम किया। फाइनल में इस भारतीय जोड़ी ने जापान के सोरा मात्सुशिमा और मिवा हरिमोटो को कड़े मुकाबले में 3-2 से हराया। भारतीय जोड़ी ने फाइनल में 11-9, 5-11, 14-12, 3-11, 11-6 से जीत दर्ज की। सेमीफाइनल में मानुष और दीया ने ट्यूनिशियाई-मिस्र की जोड़ी वसीम एस्सिद और हना गोडावेरे को सीधे गेमों में हराते हुए फाइनल में प्रवेश किया था।

पुरुष डबल्स में भी मानुष का शानदार प्रदर्शन- मानुष ने मनव ठक्कर के साथ पुरुष डबल्स के सेमीफाइनल तक का सफर तय किया। हालांकि, सेमीफाइनल में उन्हें जर्मनी के बेनेडिक्ट डूडा और आंद्रे बर्टेल्समायर के खिलाफ 11-8, 7-11, 11-8, 9-11, 10-12 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय जोड़ी एक समय मैच प्वाइंट पर थी, लेकिन निर्णायक गेम में बढ़त को बरकरार नहीं रख सकी।

दीया चितले और हरमीत देसाई का एकल सफर रहा चुनौतीपूर्ण- महिला एकल में दीया चितले का सफर प्री-क्वार्टर फाइनल (राउंड ऑफ 16) में खत्म हो गया। उन्हें जर्मनी की साबिने विंटर ने 11-8, 6-11, 7-11, 9-11 से हराया। इससे पहले दिया ने राउंड ऑफ 32 में भारत की टॉप खिलाड़ी मनिका बत्रा को हराकर सनसनी मचाई थी। पुरुष एकल में हरमीत देसाई भी राउंड ऑफ 16 में हार गए। उन्हें जापान के छठी वरीयता प्राप्त हिरोटो शिनोजुका ने 11-9, 9-11, 8-11, 1-11 से मात दी।

पूर्व तेज गेंदबाज बोला, इस कारण असफल हो रहे वेंकटेश अय्यर

मुम्बई। आईपीएल के इस सत्र में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बल्लेबाज वेंकटेश अय्यर इस सत्र में असफल रहे हैं जबकि उन्हें फ्रैंचाईजी ने नीलामी में 23.75 करोड़ रुपये की मोटी रकम देकर खरीदा था। वह टीम के उपकप्तान होने के बाद भी 8 मैचों में केवल 135 रन ही बना पाये हैं। इस दौरान उनका औसत 22.5 का है और स्ट्राइक रेट 140 रहा है। वहीं पूर्व क्रिकेटर आरपी सिंह ने कहा है कि नीलामी में मिली अधिक मोटी रकम से उनके ऊपर अपने को साबित करने का दबाव है। इसी कारण हो रहे तनाव से वह अब तक असफल रहे हैं। इस पूर्व गेंदबाज के अनुसार वेंकटेश अपनी बल पर टीम को जीत दिलाना चाहते हैं। सिंह ने कहा, जब किसी खिलाड़ी को नीलामी में इतनी बड़ी कीमत पर चुना जाता है, तो कहीं न कहीं आपके दिमाग में यह बात आती है कि वह या तो आपका मुख्य खिलाड़ी है या फिर कप्तानी के लिए उपयुक्त खिलाड़ी पर यहां तो वह दोनों में से कोई भी नहीं निकला। इसलिए मुझे लगता है कि नीलामी के दौरान और चयन के दौरान केकेआर की ओर से भी कुछ गलती हुई है। उन्होंने आगे कहा, आपने अपने सबसे बेहतरीन कप्तान को जाने दिया और अब वह दूसरी टीम की कप्तानी में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। इसलिए मुझे नहीं लगता कि इस खिलाड़ी को अभी बाहर करना एक

बढ़िया विकल्प है, क्योंकि आपने उसे पहले ही कई मैच दे दिए हैं। फॉर्म की समस्या किसी भी खिलाड़ी के साथ हो सकती है पर आमतौर पर, आप जितने ज़्यादा मैच खेलते हैं, आपकी फॉर्म उतनी ही बेहतर होता जाता है। उसे बाहर करना वास्तव में समस्या का कोई समाधान नहीं है। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा, हो सकता है कि जिस रकम में उसे खरीदा गया है, वह उसके दिमाग में चल रही हो। शायद वह सोच रहा हो कि मुझे इतनी बड़ी रकम में खरीदा गया है, मुझे अच्छा प्रदर्शन करना चाहिए और अपनी टीम को खिताब तक ले जाना चाहिए। यह अति-अपेक्षा शायद दबाव पैदा कर रही हो। साथ ही कहा कि उसे पारी की शुरुआत के लिए भेजा जाना चाहिये।

मनोज तिवारी बोले कोच पोंटिंग के कारण खिताब नहीं जीत सकेगी पंजाब

कोलकाता। आईपीएल के इस सत्र में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब किंग्स ने अब तक काफी अच्छा प्रदर्शन किया है और वह खिताब की प्रबल दावेदार है। वहीं अब भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने पंजाब किंग्स के कोच रिकी पोंटिंग पर सवाल उठाते हुए कहा है कि पंजाब की टीम खिताब नहीं जीत पायेगी। तिवारी पोंटिंग के कोचिंग के तौर तरीके से खुश नहीं हैं। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा है कि जिस प्रकार से पोंटिंग भारतीय खिलाड़ियों को नजरअंदाज कर रहे हैं उससे पंजाब को नुकसान होगा। तिवारी ने सोशल मीडिया में लिखा, मुझे लगता है कि इस सत्र में भी पंजाब किंग्स आईपीएल खिताब नहीं जीत पाएगी। मैंने देखा कि कोच भारतीय खिलाड़ियों से ज्यादा

विदेशी खिलाड़ियों पर भरोसा कर रहे हैं। इसी कारण नेहल वडेरा और शशांक सिंह के बेहतर प्रदर्शन के बाद भी इस सत्र में रन बनाने में विफल रहे ग्लेन मैक्सवेल और मार्को येनसन को को आगे भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा, पोंटिंग भारतीय खिलाड़ियों पर कम भरोसा करते दिखे हैं। अगर वे इसी तरह बने रहे तो शीर्ष दो में जगह बनाने के बावजूद पंजाब की टीम खिताब जीत से दूर रह जाएगी।

आईपीएल 2025: कॉर्बिन बॉश ने मुंबई इंडियंस के लिए किया डेब्यू

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 का 45वां मैच रविवार को मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच खेला जा रहा है। मैच में लखनऊ की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया है। मुंबई की टीम बल्लेबाजी कर रही है। इस मैच में मुंबई इंडियंस की तरफ से साउथ अफ्रीका के ऑलराउंडर कॉर्बिन बॉश ने आईपीएल में डेब्यू किया है। मुंबई इंडियंस ने अनोखे अंदाज में सोशल

मीडिया एक्स पर लिखा, "बिग बॉश (कॉर्बिन बॉश) चाहते हैं आप उनका एमआई डेब्यू जरूर देखें।" कॉर्बिन बॉश को मुंबई इंडियंस ने मेगा ऑक्शन में नहीं खरीदा था। वह चोटिल तेज गेंदबाज लिजाद विलियम्स की जगह मुंबई की टीम में रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम शामिल हुए थे। साउथ अफ्रीका के इस स्टार क्रिकेटर ने 86 टी20 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 81 के हाइएस्ट स्कोर के साथ 663 रन बनाएं हैं और 59 विकेट लिए हैं।

व्यापार

साप्ताहिक शेयर समीक्षा: उतार-चढ़ाव के बावजूद मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार पिछले सप्ताह के दौरान उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद ओवरऑल मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। 21 से 25 अप्रैल तक के कारोबारी सप्ताह के पहले तीन दिन के कारोबार में शेयर बाजार मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा, जबकि आखिरी दो दिन के कारोबार में गिरावट का शिकार हो गया। इस सप्ताह सोमवार से शुक्रवार तक के कारोबार के बाद सेंसेक्स साप्ताहिक आधार पर 659.33 अंक यानी 0.83 प्रतिशत की मजबूती के साथ 79,212.53 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी ने 187.70 अंक यानी 0.78 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,039.35 अंक के स्तर पर पिछले सप्ताह के कारोबार का अंत किया। माना जा रहा है कि भारत और अमेरिका के बीच टैरिफ को लेकर जारी वार्ता के सकारात्मक संकेत, विदेशी निवेशकों की खरीदारी, पहलगाम हमले के बाद बनी तनाव की स्थिति और कंपनियों के मिले-जुले तिमाही नतीजों के कारण घरेलू

शेयर बाजार में लगातार उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रही। पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान बीएसई का लार्जकैप इंडेक्स 0.62 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल कंपनियों में टेक महिंद्रा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजी, वारी एनर्जिज, एलटी माइंडट्री और डिवीज लेबोरेट्रीज के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी, अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन, श्रीराम फाइनेंस, स्विगी, एसबीआई कार्ड और पेमेंट सर्विसेज, जेएसडब्ल्यू एनर्जी और वरुण बेवरेजेज के शेयर टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए। बीएसई का मिडकैप इंडेक्स सोमवार से शुक्रवार के कारोबार के बाद 1.3 प्रतिशत की साप्ताहिक बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। इस इंडेक्स में शामिल कंपनियों में से एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, देल्हीवेरी, ऑरिकल फाइनेंशियल सर्विसेज, कोफोर्ज, टाटा एलेक्सी, एम्फैसिस और परसिस्टेंट सिस्टम्स के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर एमक्योर फार्मास्यूटिकल्स, जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज, इंडियन होटल्स कंपनी, बायोकॉन और एसीसी के शेयर टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए। बीएसई का स्मॉलकैप इंडेक्स पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान सपाट स्तर पर बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल राजरतन ग्लोबल वायर, थायरोकेयर टेक्नोलॉजीज, वर्धमान स्पेशल स्टील्स, बेस्ट एग्रो लाइफ, पेनिनसुला लैंड्स, एप्टेक, करारो इंडिया और डेक्कन गोल्डमाइंस के शेयर 21 से 32 प्रतिशत तक की साप्ताहिक मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर जेनसोल इंजीनियरिंग, पर्ल ग्लोबल इंडस्टरीज, ब्लू स्टार, यूनीमेक एयरोस्पेस एंड मैन्युफैक्चरिंग, केआर रेल इंजीनियरिंग, सिंजीन इंटरनेशनल, स्टरलाइट टेक्नोलॉजीज, ई-पैक ड्युरेबल्स, पीसीबीएल केमिकल, नेलको, गुजरात थेमिस बायोसिन और रामकृष्ण फोर्जिंग्स के शेयर 10 से 22 प्रतिशत तक की साप्ताहिक गिरावट का शिकार हो गए। सेक्टोरल फ्रंट पर देखें तो सोमवार से शुक्रवार के कारोबार के बाद निफ्टी का आईटी इंडेक्स 6.5 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी का ऑटोमोबाइल इंडेक्स 3 प्रतिशत, निफ्टी का रियल्टी इंडेक्स 1.62 प्रतिशत और निफ्टी का फार्मास्यूटिकल इंडेक्स 1.61 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। दूसरी ओर, निफ्टी का मीडिया इंडेक्स 2.01 प्रतिशत, रियल्टी इंडेक्स 2 प्रतिशत और निफ्टी का कंज्यूमर ड्युरेबल्स इंडेक्स 1.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।

अश्विनी वैष्णव ने इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण बनाने वाली कंपनियों को सरकार की प्रोत्साहन योजना का लाभ उठाने डिजायन टीम बनाने की दी सलाह

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बनाने वाली कंपनियों को सरकार की प्रोत्साहन योजना का लाभ उठाने के लिए डिजायन टीम बनानी होगी और अपने उत्पादों की गुणवत्ता को उच्चतम स्तर तक पहुंचाना होगा। मंत्री ने यह भी कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स कल-पुर्जों की विनिर्माण योजना (ईसीएमएस) के तहत कंपनियों की मंजूरी देने से पहले इन दोनों कारकों पर ध्यान दिया जाएगा, हालांकि इसे औपचारिक मानदंड के रूप में नहीं रखा जाएगा। वैष्णव ने कहा, मैं इस योजना में भाग लेने वाली हर कंपनी से डिजायन टीम बनाने का अनुरोध करता हूं। हालांकि, इसे औपचारिक मानदंड नहीं बनाया गया है, यह एक अनौपचारिक मानदंड के रूप

में देखा जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि कुछ कंपनियों ने अपनी डिजायन टीम में 5,000 इंजीनियर शामिल किए हैं। मंत्री ने स्पष्ट किया, यदि आपके पास डिजायन टीम नहीं है और आप सभी आवश्यक मापदंडों को पूरा कर रहे हैं, तब भी हम आपको मंजूरी नहीं देंगे। डिजायन टीम बनानी ही होगी। इसके साथ ही मंत्री ने उत्पादों की गुणवत्ता पर भी जोर दिया। उन्होंने कंपनियों से आग्रह किया कि वे सिक्स सिग्मा गुणवत्ता स्तर हासिल करें, जो उच्चतम गुणवत्ता और दक्षता को दर्शाता है। उन्होंने कहा, सिक्स सिग्मा से कम कुछ भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हम केवल विनिर्माण की मात्रा पर नहीं, बल्कि उत्पादों की गुणवत्ता पर भी आपकी प्रगति का मूल्यांकन करेंगे।

सिक्स सग्मा से आशय- सिक्स सिग्मा से आशय है एक ऐसी गुणवत्ता प्रक्रिया, जिसका उद्देश्य त्रुटियों को न्यूनतम करना, विविधताओं को दूर करना और गुणवत्ता एवं दक्षता को बढ़ाना है। मंत्री अश्विनी वैष्णव का यह बयान कंपनियों को यह संदेश देता है कि सिर्फ मापदंडों को पूरा करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उच्च गुणवत्ता और बेहतर डिजायन प्रक्रिया पर भी ध्यान देना आवश्यक होगा, यदि वे सरकार की प्रोत्साहन योजना का लाभ उठाना चाहती हैं।

मार्केट आउटलुक : तिमाही नतीजे, ऑटो सेल्स और आर्थिक आंकड़ों से तय होगा बाजार का रुझान

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार के लिए अगला हफ्ता काफी अहम होने वाला है। वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही के नतीजे, ऑटो सेल्स, आईआईपी एवं एफआईआई डेटा और आर्थिक आंकड़ों का असर शेयर बाजार पर देखने को मिल सकता है। अगले हफ्ते अदाणी ग्रीन, अदाणी टोटल गैस, केपीआईटी टेक, टीवीएस मोटर्स, अंबुजा सीमेंट्स, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, बीपीसीएल, अदाणी पावर, जेएसडब्ल्यू इंफ्रा और वेदांता जैसी बड़ी कंपनियों की ओर से वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही के नतीजों का ऐलान किया जाएगा। इसे अलावा, मार्च के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के आंकड़े 28 अप्रैल को आएंगे। वहीं, 1 मई को ऑटो सेल्स के आंकड़े आएंगे, जिसका असर बाजार पर देखने को मिल सकता है। वैश्विक स्तर पर अगले हफ्ते अमेरिका की जीडीपी

से जुड़े अहम डेटा जारी किए जाएंगे, जिसमें पहली तिमाही का जीडीपी डेटा और जॉबलेस क्लेम शामिल हैं। बीता हफ्ता भारतीय शेयर बाजार मजबूती के साथ बंद हुआ। इस दौरान सेंसेक्स और निफ्टी दोनों करीब 0.80 प्रतिशत बढ़कर क्रमशः 79,212.53 और 24,039.35 पर बंद हुए। बाजार में तेजी की वजह अमेरिका और चीन के बीच चल रहे व्यापारिक तनाव के लेकर सकारात्मक अपडेट आना और भारतीय बैंकों की ओर से अच्छे नतीजे पेश करना रहा। 21-25 अप्रैल की अवधि में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) शुद्ध खरीदार रहे और इस दौरान करीब 17,800 करोड़ रुपये का निवेश किया। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने कैश सेगमेंट में करीब 1,132 करोड़ रुपये का निवेश किया। अगले हफ्ते 1 मई को महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर शेयर बाजार में अवकाश रहेगा। मास्टर ट्रस्ट ग्रुप के डायरेक्टर, पुनीत सिंघानिया के मुताबिक, लगातार दूसरे हफ्ते निफ्टी सकारात्मक बंद हुआ है। अच्छी बात यह है कि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का मुख्य सूचकांक 24,000 से ऊपर की क्लोजिंग देने में कामयाब रहा है। फिलहाल इसके लिए 24,360 एक बड़ा रुकावट का स्तर है। अगर यह इसके ऊपर निकलता है तो 24,700 के स्तर भी देखने को मिल सकते हैं। इसके अलावा गिरावट की स्थिति में निफ्टी के लिए 23,800 और 23,500 एक अहम सपोर्ट स्तर है।

सर्राफा बाजार में सोने के भाव में मामूली गिरावट, चांदी की कीमत में उछाल

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार सोने के भाव में मामूली गिरावट का रुख नजर आ रहा है। वहीं, चांदी के भाव में आज तेजी दर्ज की गई है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 98,210 रुपये से लेकर 98,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 90,020 रुपये से लेकर 90,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं, चांदी के भाव में तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,01,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 98,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 90,170 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 98,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 98,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,070 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 98,210 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 90,020 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 98,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और

22 कैरेट सोना 90,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 98,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 90,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 98,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 90,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 98,310 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 98,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 90,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

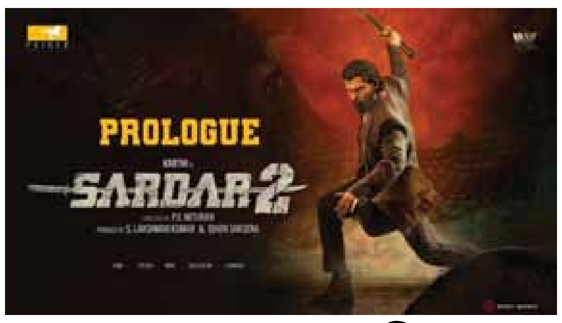

सरदार 2 के हिंदी प्रोलॉग से मचा धमाल

इंटरनेशनल मिशन पर लौटा कार्थी का दमदार अवतार

साउथ सिनेमा के पॉपुलर डायरेक्टर पी.एस. मिथरन एक बार फिर एक्शन और थ्रिल की दुनिया में तहलका मचाने को तैयार हैं। 2022 में आई सुपरहिट फिल्म 'सरदार के बाद अब 'सरदार 2 का धमाकेदार हिंदी प्रोलॉग रिलीज हो गया है, जिसने फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया है। इस प्रोलॉग में हाई-ऑक्टेन एक्शन, इंटरनेशनल मिशन और कार्थी की स्वैग से भरी वापसी ने दर्शकों को पूरी तरह दीवाना बना दिया है। पी.एस. मिथरन की स्पाई यूनिवर्स की यह दूसरी पेशकश न केवल तकनीकी तौर पर और भी मजबूत दिख रही है, बल्कि इसकी स्केल और स्टोरीलाइन भी पहले से कहीं ज्यादा ग्रैंड नजर आ रही है। प्रोलॉग से साफ है कि इस बार कहानी ग्लोबल लेवल पर खेलने वाली है, जहां खतरा और मिशन दोनों का स्तर कई गुना ज्यादा है। कार्थी एक बार फिर अपने सबसे बेहतरीन अवतार में लौटे हैं। उनके किरदार की गंभीरता, एक्शन सीक्वेंसेस में तेजी और संवादों की धार सब कुछ दर्शकों को सीट से बांधकर रखने का दम रखते हैं। बैकग्राउंड म्यूजिक भी हर सीन को और अधिक रोंगटे खड़े कर देने वाला बनाता है। 'सरदार 2 की स्टारकास्ट भी कमाल की है – कार्थी के साथ एसजे सूर्या, मालविका मोहनन, आशीका रंगनाथ, योगी बाबू और रजिषा विजयन जैसे कलाकार इस फिल्म को और भी दिलचस्प बनाने वाले हैं। प्रोडक्शन की जिम्मेदारी प्रिंस पिक्चर्स और आइवी एंटरटेनमेंट ने संभाली है, वहीं डायरेक्टर मिथरन अपने विज़न से एक और मास्टरपीस लाने की तैयारी में हैं। 'सरदार 2 को तमिल के साथ-साथ हिंदी, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में भी रिलीज किया जाएगा, जिससे यह पूरे देश में एक बड़ा पैन-इंडिया इम्पैक्ट बनाने वाली है। इस फिल्म का प्रोलॉग एक झलक है उस नई जंग की, जहां देश के दुश्मनों से लड़ाई अब सीमाओं से बाहर जा चुकी है। पी.एस. मिथरन की लेखनी और निर्देशन, कार्थी की दमदार परफॉर्मेंस और इंटरनेशनल स्केल का यह मिशन 'सरदार 2 को 2025 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक बना रहा है। क्या आप तैयार हैं इस बार की सबसे खतरनाक जासूसी कहानी के लिए?

भूल चुक माफ का नया गाना चोर बाजारी फिर से जारी

रोमांस करते दिखे राजकुमार-वामिका

अभिनेता राजकुमार राव पिछले काफी समय से अपनी आगामी फिल्म भूल चुक माफ को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, जिसके निर्देशन की कमान करण शर्मा ने संभाली है।<इस फिल्म में राजकुमार की जोड़ी अभिनेत्री वामिका गब्बी के साथ बनी है। यह पहला मौका है, जब राजकुमार और वामिका किसी फिल्म में साथ नजर आएंगे। अब भूल चुक माफ का नया गाना चोर बाजारी फिर से रिलीज हो गया है, जिसमें राजकुमार और वामिका डांस करते दिख रहे हैं।

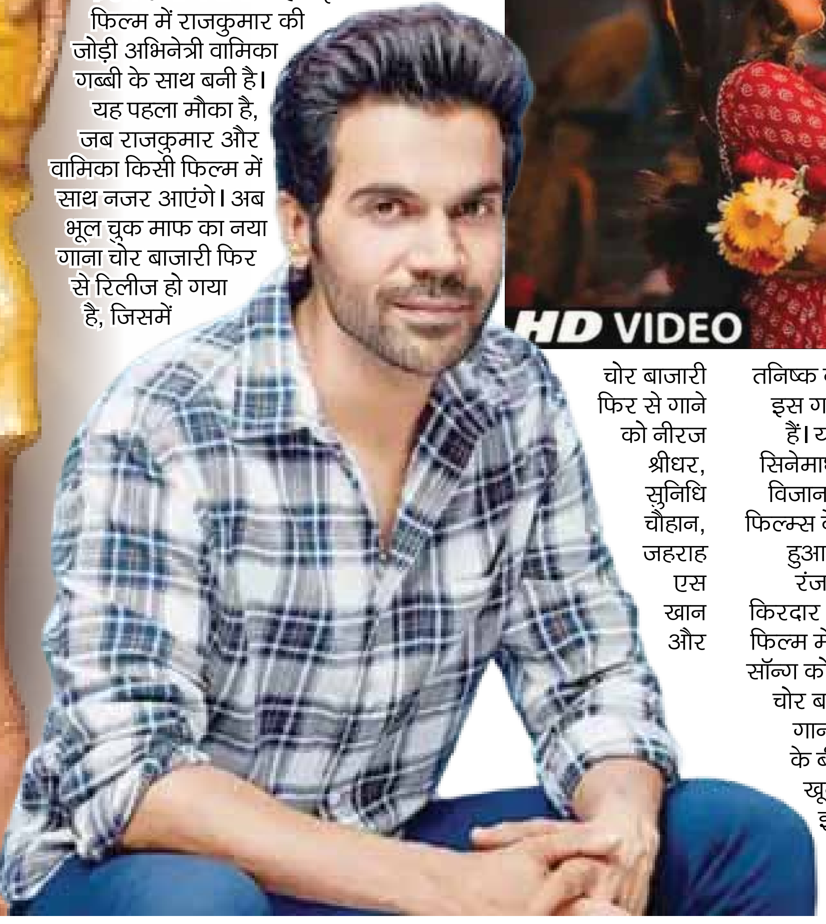

चोर बाजारी फिर से गाने को नीरज श्रीधर, सुनिधि चौहान, जहराह एस खान और तनिष्क बागची ने मिलकर गाया है। इस गाने के बोल इरशाद कामिल हैं। यह फिल्म 9 मई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। दिनेश विजान के प्रोडक्शन हाउस मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले इसका निर्माण हुआ है। फिल्म में राजकुमार ने रंजन तो वामिका ने तितली का किरदार निभाया है। सीमा पहवा इस फिल्म में राजकुमार की मां बनी हैं। सॉन्ग को लेकर राजकुमार ने कहा, चोर बजारी फिर से एक बेहतरीन गाना है! यह रंजन और तितली के बीच की केमिस्ट्री को बड़ी ही खूबसूरती के साथ दिखाता है। इस गाने की शूटिंग मजेदार रही। मैं म्यूजिक के साथ दर्शकों की एनर्जी और वाइब से भरे फीडबैक का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। एक्ट्रेस वामिका गब्बी ने कहा, चोर बजारी फिर से एक बेहतरीन गाना है! इसमें ड्रामा है, डांस है और हर बीट में तितली की मजेदार शरारत है। मुझे लगता है कि दर्शकों को गाने में रंजन और तितली की मस्ती पसंद आएगी। यह मजेदार है! सिंगर सुनिधि चौहान ने कहा, इस गाने में कुछ ऐसा है जो आपका ध्यान खींचता है। गाना प्ले होते ही, आप गुनगुनाने लगेंगे और अपने पैरों को थिरकने से नहीं रोक पाएंगे! मैं चोर बजारी फिर से का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं। फिल्म में राजकुमार और वामिका के अलावा जाकिर हुसैन, रघुबीर यादव, संजय मिश्रा और सीमा पाहवा लीड रोल में नजर आएंगे। इसका निर्देशन करण शर्मा ने किया है।

शैतान के बाद जानकी बोदीवाला के हाथ लगी मर्दानी 3, किरदार से भी उठा पर्दा

काफी समय से अभिनेत्री रानी मुखर्जी अपनी सुपरहिट फ्रैंचाइजी मर्दानी की तीसरी मर्दानी 3 को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इस फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वह एक बार फिर पुलिस की वर्दी में धाक जमाने को तैयार हैं। इस फिल्म के निर्देशन की कमान अभिराज मीनावाला ने संभाली है। अब मर्दानी 3 में अभिनेत्री जानकी बोदीवाला की एंट्री हो चुकी है। इसके साथ उनके किरदार से भी पर्दा उठ गया है। रिपोर्ट के अनुसार, रानी की मर्दानी 3 की स्टार कास्ट में जानकी शामिल हो गई हैं। वह फिल्म में एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगी। उन्होंने मुंबई में फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। जानकी ने साल 2024 में आई फिल्म शैतान के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू किया था। उन्होंने फिल्म में अजय देवगन की बेटी का किरदार निभाया था। जानकी ने 2015 में फिल्म छैलो दिवस से अपने अभिनय करियर की शुरआती की थी। मर्दानी 3 की रिलीज तारीख से पहले ही पर्दा उठ गया है। यह फिल्म 27 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। अभिराज मीनावाला ने इस फिल्म के निर्देशन की कमान संभाली है, वहीं आदित्य चोपड़ा फिल्म के निर्माता हैं। बता दें मर्दानी 22 अगस्त, 2014 में रिलीज हुई थी, वहीं फिल्म का दूसरा भाग 2019 में आया था। फिल्म में रानी ने पुलिस अफसर शिवानी शिवाजी रॉय का किरदार निभाया था। इसके निर्देशक प्रदीप सरकार थे।

विजय वर्मा और फातिमा सना शेख की उल जलूल इश्क को मिला नया शीर्षक, फिल्म गुस्ताख इश्क का पोस्टर भी जारी

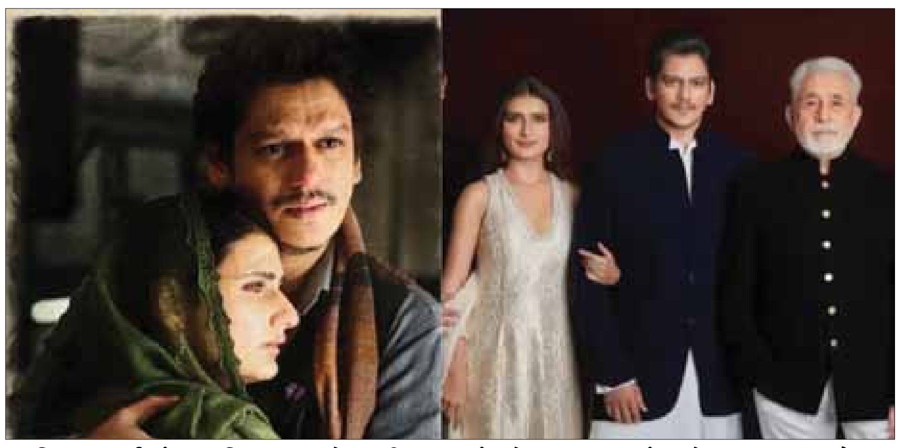

विजय वर्मा और फातिमा सना शेख की आने वाली फिल्म उल जलूल इश्क का नाम बदल दिया गया है। फैशन आइकन मनीष मल्होत्रा द्वारा निर्मित इस रोमांटिक ड्रामा का नाम अब आधिकारिक तौर पर गुस्ताख इश्क रखा गया है। यह अपडेट खुद मल्होत्रा ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया। उन्होंने एक नया पोस्टर भी जारी किया, जिसमें विजय और फातिमा एक दूसरे को गले लगाते हुए दिखाई दे रही है। हाल ही में रिलीज हुए पोस्टर में विजय और फातिमा के बीच की शानदार केमिस्ट्री को दिखाया गया है। नए शीर्षक गुस्ताख इश्क को सोशल मीडिया पर अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। इस फिल्म का निर्देशन विभु पुरी करेंगे, जो 2015 में आई फिल्म हवाईजादा के लिए जाने जाते हैं। जनवरी में मनीष मल्होत्रा ने भी स्टार-स्टडेड कास्ट को प्रशंसकों से मिलवाया था। बन टिक्की और ट्रेन फ्रॉम छपरौला के बाद यह मल्होत्रा का स्टेज 5 प्रोडक्शन के बैनर तले तीसरा प्रोजेक्ट है। आगामी प्रोजेक्ट में दिग्गज जोड़ी गुलजार और विशाल भारद्वाज भी वापस आ रहे हैं, जो एक बार फिर फिल्म का साउंडट्रैक बनाने के लिए साथ आएंगे। फिल्म के अनाउंसमेंट के दौरान मनीष ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट भी शेयर किया था, जिसमें लिखा था, बेवकूफियां, नादान गलतियां, बड़ी भूल है इश्क, सच पूछिए तो मेरे हुजूर उल जलूल है इश्क। मुझे हमारे स्टेज 5 प्रोडक्शन के तीसरे फिल्म प्रोडक्शन की घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है। विभु पुरी द्वारा लिखित और निर्देशित एक खूबसूरत फिल्म उल जलूल इश्क फिल्म की शूटिंग 9 जनवरी से इन बेहद प्रतिभाशाली कलाकारों नसीरुद्दीन शाह, विजय वर्मा, फातिमा सना शेख के साथ शुरू होगी।

न्यू बिगनिंग की झलक के साथ जान्हवी कपूर ने शेयर की दिल छू लेने वाली तस्वीरें, फैंस ने बरसाया प्यार

बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ बेहद प्यारी तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह एक सफेद फर वाले डॉगी के साथ खेलती नजर आ रही हैं. व्हाइट शर्ट में कैज़ुअल और ग्लोइंग लुक में जान्हवी का यह अंदाज़ सोशल मीडिया पर फैंस का दिल जीत रहा है. इन तस्वीरों के साथ जान्हवी ने कैप्शन में लिखा – नई शुरुआत के लिए उत्साहित प्यारजोरहताहै प्त लवआदि. इन फोटोज़ में जान्हवी जिस तरह से अपने डॉगी के साथ हंसते हुए नजर आ रही हैं, वह उनके नेचर और एनर्जी को साफ़ बयां करता है. जैसे ही तस्वीरें सामने आईं, सोशल मीडिया पर फैन्स की प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई. एक यूज़र ने कमेंट किया – सफ़ेद प्यारी तो वहीं दूसरे ने लिखा – सुंदर. एक अन्य फैन ने कमेंट किया – रानी हो आप जान्हवी. इस पोस्ट को शनाया कपूर समेत कई बॉलीवुड फ्रेंड्स ने लाइक किया है, और फैंस लगातार कमेंट्स में हार्ट और फायर इमोजी से भर रहे हैं. जान्हवी की ये तस्वीरें न केवल उनकी खूबसूरती को दर्शाती हैं, बल्कि यह भी दिखाती हैं कि वह जानवरों के प्रति कितनी प्यार भरी और संवेदनशील हैं. जान्हवी कपूर की यह पोस्ट एक बार फिर साबित करती है कि क्यों वह सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली यंग एक्ट्रेसेस में से एक हैं.

14 local cadres helped Pahalgam attackers: Probe

Agency: Fourteen local Kashmiri OGWs and terror aides have been identified, based on electronic surveillance, as the key suspects who may have facilitated the Pakistani assailants behind the Pahalgam carnage. They are believed to have arranged logistics and, possibly, also received arms consignments from Pakistan. Sources said the multi-agency probe has zeroed in on five prime suspects, of whom three have been "picked up", and may eventually face arrest. Police are on the lookout for the two other OGWs. All five were in the vicinity on the day of the strike, and earlier: their phones were active in the area. Electronic surveillance threw up a chat in which the three detained prime suspects are talking to each other about Pakistani terrorists in Pahalgam and how to "help" them. Meanwhile, more than 200 OGWs have been detained for questioning to trace the likely events leading up to the attack, said sources. Sources said there is enough circumstantial evidence pointing to the role of all five in the Pahalgam strike. Ten other OGWs are being questioned by a joint interrogation team comprising investigators from NIA, J&K Police, Intelligence Bureau and RAW, as they are known to have helped Pakistan terrorists in Kashmir in the past and happened to be in the vicinity of the attack site on April 22. The 14 local terror aides - all from south Kashmir - are already 'indexed' by the J&K police as OGWs and are believed to have facilitated Pakistani terrorists involved in multiple attacks across south Kashmir over the past couple of years, helping with logistics, guiding them through the jungles and even receiving consignments of arms from Pakistan for use in terror strikes," a source told TOI. "There is enough circumstantial evidence pointing to their role as facilitators and in arranging logistics for the Pahalgam attack team, which comprised 4-5 terrorists, of whom at least two were Pakistanis and two local Kashmiris.

We are trying to get more details out of the 14 detained OGWs to piece together the conspiracy, before taking a call on their likely arrest," said an officer. As of Saturday, more than 200 OGWs were detained and questioned to help uncover the sequence of events leading up to the Pahalgam attack. "Around 20-25 OGWs are detained for questioning. These are OGWs known to be in touch with, shelter and act as 'guides' to Pakistani terrorists. We are sifting through OGW database, having questioned over 1,500 of them, and have now zeroed in on 15 likely suspects. At the same time, other OGWs active in south Kashmir are being questioned to fill us in on the identity of Pakistani terrorists seen in the area and their possible hideouts," said an officer. Sources said security personnel combing the forests encircling Baisaran for escaped terrorists, have further intensified the search. With the search in adjoining towns and districts throwing up no sign of attackers yet, there is suspicion that they may still be holed up in dense forests into which the meadow merges.

Names of 14 local Kashmiris who provided support to Paki terrorists

- Mohammad Adil Rahman Dentu (21)
- Mohammad Asif Ahmed Sheikh (28)
- Mohammad Ahsan Ahmed Sheikh (23)
- Mohammad Haris Nazir (20)
- Mohammad Amir Nazir Wani (20)
- Mohammad Yawar Ahmed Bhat
- Mohammad Asif Ahmed Khande (24)
- Mohammad Naseer Ahmad Wani (21)
- Mohammad Shahid Ahmed Kute (27)
- Mohammad Amir Ahmad Dar
- Mohammed Adnan Safi Dar
- Mohammad Zubair Ahmad Wani (39)
- Mohammad Haroon Rashid Ganai (32)
- Mohammad Zakir Ahmed Ghani (29)

Terrorists trekked 22 hours through rough terrain for Pahalgam attack

Agency: New details emerging from the investigation into the Pahalgam terror attack suggest that the terrorists who carried out the horrific assault on April 22, killing 26 people, trekked nearly 20 to 22 hours through difficult terrain from Kokernag forests to the scenic Baisaran valley to execute their deadly plan. Two mobile phones - one belonging to a local resident and the other to a tourist - were snatched by the terrorists during the attack, sources said. Four attackers were involved in the carnage: three Pakistani terrorists and one local terrorist, Adil Thokar, sources added. Thokar, who initially joined Hizbul Mujahideen in 2018 after getting radicalised, crossed over to Pakistan legally using valid documents, where he received battle-hardened training with the Lashkar-e-Taiba before returning to the Kashmir Valley in 2024. Since his return, Thokar is said to have been actively assisting Pakistani terrorists by providing logistics and acting as a guide through the region's treacherous terrain. Two terrorists emerged from behind nearby shops, ordering victims to recite the Kalma before shooting four people dead at point-blank range, per sources. This sudden act of brutality triggered panic, with tourists running in all directions for safety. Simultaneously, the other two terrorists opened fire from near the zipline area, intensifying the bloodbath. In a significant development, a key witness - a local photographer - has emerged in the case. Perched atop a tree during the attack, he managed to record critical footage capturing the sequence of events as they unfolded. His videos are now seen as crucial leads by investigators piecing together the full timeline of the attack. Meanwhile, the National Investigation Agency (NIA) has now formally begun the process of taking over the investigation following orders from the Union Ministry of Home Affairs (MHA). Teams from the anti-terror agency have been stationed at the attack site since Wednesday, intensifying their search for evidence under the supervision of senior officials. They are meticulously examining eyewitnesses to reconstruct the events and closely scrutinising the entry and exit points in the valley to understand the terrorists' modus operandi. Supported by forensic experts, NIA officials are combing the entire Baisaran valley for clues to expose the terror conspiracy behind one of the deadliest attacks witnessed in Kashmir in recent years.

130 nukes aimed at you: Pak minister's open threat to India as tensions flare

Agency: In an explosive escalation of tensions, Pakistan Minister Hanif Abbasi openly threatened India with nuclear retaliation, warning that Pakistan's arsenal - including Ghori, Shaheen, and Ghaznavi missiles along with 130 nuclear warheads - has been kept "only for India". Abbasi said if India dares to halt Pakistan's water supply by suspending the Indus Waters Treaty, it should "prepare for a full-scale war". He declared that Pakistan's nuclear weapons are not for display, and their locations are hidden across the country, ready to strike if provoked. "If they stop the water supply to us, then they should be ready for a war. The military equipment we have, the missiles we have, they're not for display. Nobody knows where we have placed our nuclear weapons across the country. I say it again, these ballistic missiles, all of them are targeted at you," he warned. Indian woman stopped at Attari border while trying to return to Pak with children

TV actor Navina Bole accuses Sajid Khan of misconduct, says he asked her to strip His reaction came after India announced a series of countermeasures against Pakistan after the Pahalgam terror attack that left 26 dead. India announced its decision to suspend the Indus Waters Treaty of 1960 and also revoked all visas for Pakistani nationals. Mocking India's decision to suspend water supply and trade ties with Pakistan, Hanif Abbasi said that New Delhi was beginning to realise the harsh consequences of its actions. Referring to the disruption caused by Pakistan shutting its airspace to Indian flights, he pointed to the chaos it triggered in Indian aviation in just two days. "If things were to continue like this for another 10 days, the airlines in India would go bankrupt," Abbasi said. The minister lashed out at India, accusing it of shifting blame onto Pakistan for the Pahalgam terror attack instead of acknowledging its own security failures. He further asserted that Pakistan had already begun preparing for the fallout following India's decision to suspend trade between the two countries, signalling that Islamabad was ready to counter any economic measures taken against it. Abbasi's remarks came after a series of bold claims made by Pakistan's Defence Minister Khawaja Asif just days earlier. In an interview, Asif admitted that Pakistan had supported and trained terror groups for the "last three decades", but shifted the blame to the United States and the West, including Britain. "We have been doing this dirty work for the US and the West, including Britain, for three decades," Asif said. He added that this was a mistake for which Pakistan had suffered greatly. "If we had not joined the war against the Soviet Union and later on, following the 9/11 attacks, Pakistan would have an unimpeachable track record," Asif explained.

Anxious wait for many at Attari as Pak stops wives despite valid visas

Agency: Several Indian men, whose Pakistani wives had gone to visit their families across the border, are now left stranded and anxious as the authorities in the neighbouring nation are not allowing their spouses to enter India through the Attari-Wagah Integrated Check-Post despite possessing valid documents. The move follows heightened tensions between the two countries in the aftermath of the killing of 25 tourists and a local by terrorists in Pahalgam four days ago. The men complained that their spouses had long-term visas and were issued "no-objection return to India" (NORI) certificates by the Ministry of External Affairs for their brief visit to Pakistan. NORI certificates allow holders to return to India without any obligation after a brief foreign visit. Dr Vikram Udasi, who has come all the way from Maharashtra's Jalgaon district to receive his wife Priya, a Pakistani national, has been running from pillar to post at the Attari border ever since the Indian authorities announced the suspension of visa services for Pakistan. The couple's four-year-old son, who has an Indian passport, is accompanying his mother. "The Indian authorities in New Delhi had allowed her permission to visit Pakistan till June 17. However, after learning about the 48-hour deadline India set on April 23, she flew from Karachi to Lahore on April 24 by paying Pakistani Rs 80,000 for a ticket that normally costs Rs 25,000," said Dr Udasi. He too landed in Amritsar the same day after spending Rs 16,000 for his air ticket. "Upon reaching Lahore, the Pakistani authorities didn't allow my wife to cross over from Wagah to Attari despite having valid documents. Now, she is paying Rs 4,500 daily rent for a hotel room in Lahore and I am shelling out Rs 2,500 per day in Amritsar. She reaches daily from Lahore to Wagah by paying Rs 4,000 for taxi while I pay Rs 1,000 for the Amritsar-Attari journey," he said, upset over the uncertainty that had hit his life.

Tree-top video, Army officer's statement critical to Pahalgam terror probe

Agency: The National Investigation Agency (NIA) has launched a probe into the Pahalgam terror attack, with a major breakthrough emerging from a local photographer who had perched himself atop a tree and managed to record the entire sequence of events. This footage has become a vital piece of evidence, providing a clear timeline and aiding in the identification of the perpetrators. Adding another critical layer to the investigation is the testimony of a Lieutenant Colonel from the Indian Army, who was holidaying with his family during the attack. Sources indicate that the officer, currently posted in Jammu and Kashmir, provided invaluable insights to investigators, meticulously piecing together the sequence of events. While many eyewitnesses were understandably traumatised by the brutality they witnessed, the trained army officer's awareness of crucial details proved instrumental in gathering vital information, according to sources. He not only ensured the safety of his family but also offered crucial clues to the investigating agencies about the terror attack on April 22, when Pakistan-based terrorists killed 26 people, mostly tourists, in the Baisaran Valley of Jammu and Kashmir's Pahalgam. Based on eyewitness accounts and the compelling video evidence, the anti-terror agency has reconstructed how the attack unfolded. Two terrorists, initially concealed behind a cluster of shops, emerged and demanded that the gathered crowd recite the Kalma. Moments later, they carried out the cold-blooded execution of four individuals with targeted headshots. This horrific act triggered widespread panic, causing people to flee in terror. During the chaos, the terrorists unleashed indiscriminate fire, aiming for vital organs such as the head and heart, indicating a clear intent to kill. As the chaos escalated, two additional terrorists emerged from the vicinity of the zip line area and opened fire on the defenceless crowd. The first distress call to the Police Control Room was made at approximately 2.30 pm on April 22 by Himanshi Narwal, the newlywed wife of Naval officer Lieutenant Vinay Narwal, who was among those fatally shot. Displaying remarkable courage, she remained by her husband's side until the arrival of the police and CRPF teams. The first responder on the scene was the Station House Officer (SHO) of Pahalgam, who was met with a scene of unimaginable bloodshed. By this time, the terrorists had already vanished into the dense forested area. Forensic analysis has confirmed that the terrorists were armed with AK-47 and M4 assault rifles. Cartridge shells recovered from the crime scene corroborate the use of these weapons, providing concrete scientific evidence. Initial investigations indicate that a total of four terrorists were involved in the attack -- three foreign nationals and one local named Adil Thokar. Born in 1992 in Anantnag, Thokar was radicalised and joined the Hizbul Mujahideen in 2018. His journey into terrorism began on April 25, 2018, when he travelled to Pakistan via the Attari border under the guise of appearing for an examination in Jammu, using an Indian passport. Once across the border, he abandoned his civilian life and aligned himself with the banned Lashkar-e-Taiba (LeT) after undergoing extensive combat training. Upon his return to Kashmir in 2024, Thokar played a crucial role in assisting Pakistani terrorists with logistical support, including acting as a guide for cross-border infiltration. His educational background includes schooling in Bijbehara, a bachelor's degree from Government Degree College Anantnag, and a post-graduation in Urdu from Rehmat Alam College, Anchidora, Anantnag, in 2018. Prior to his radicalisation, he worked as a private teacher at MMI School, Shamsipora, Anantnag, for two years. Notably, he was known for his strong religious inclinations and regularly attended religious gatherings and funeral prayers for slain terrorists. According to officials, his direct involvement in the Pahalgam terror attack underscores the calculated and long-term strategy employed by Pakistan-backed terrorist organisations to embed trained militants within the region. As per the preliminary probe, the terrorists trekked for several hours from the Kokernag forests to reach the Baisaran meadow, a popular tourist destination where around 1,200 people were enjoying their holiday on April 22. The assault was meticulously planned and executed, creating a coordinated crossfire before escaping from the scene. In their escape, the attackers snatched two Android mobile phones, one from a tourist and another from a local. Despite surveillance efforts, it is believed the terrorists may have discarded the phones while fleeing. The investigation remains ongoing as authorities meticulously piece together further evidence to ensure that all those responsible for the attack are brought to justice. A reward of Rs 20 lakh has been announced for any vital information leading to the neutralisation of the terrorists, resulting in a significant influx of tips, each piece of information is currently under rigorous examination.

Terror attack or accident? Car rams crowd at Vancouver festival, at least 9 dead

Agency: At least nine people were killed, and several others injured after a car ploughed into a crowd at a festival in Canada's Vancouver on Saturday night, Vancouver police shared on X. "The driver is in custody. We will provide more information as the investigation unfolds," said the Vancouver Police in a statement. The police further said that the 30-year-old driver was a resident of Vancouver. According to the police, the car entered the South Vancouver neighbourhood at 8:15 pm (local time) on Saturday evening. A black SUV, which reportedly drove into the crowd, was seen beside a blue truck with a crushed bonnet, next to the crime scene, according to the video doing the rounds. Several images showed people tending to the injured lying on the street, while others were heard screaming in disbelief amid signs of carnage all around.

Following the incident, Vancouver Mayor Ken Sim expressed his shock at the "horrific incident" at the Lapu Lapu Day festival, which celebrates Filipino heritage and culture. "We will work to provide more information as soon as we can, but at this time Vancouver police have confirmed that there are a number of fatalities and multiple injuries," Sim said. "Our thoughts are with all those affected and with Vancouver's Filipino community during this incredibly difficult time," he added. Although local officials are yet to confirm the motive behind the incident, a similar pattern has emerged in Europe, the US, and Canada, where vehicles have been used to target unsuspecting people in croswded places. On New Year's, a 42-year-old American man, Shamsud-Din Jabbar, drove his pickup truck into a busy street in New Orleans where revellers had gathered to celebrate. He then got out and opened fire, resulting in the deaths of 14 people and injuring 57 others. The

man was eventually shot dead, and an ISIS flag was recovered from his car. The FBI, calling it an act of domestic terrorism, said Jabbar was inspired by ISIS. Such attacks witnessed in cities like Berlin, London, and New York have caused widespread fear and panic among the public, prompting authorities to heighten security at public events and festivals. While motivations have ranged from terrorism to mental health issues, authorities in the West have acknowledged the growing threat posed by the similar modus operandi employed by attackers.